सुविचार
तरक्कियों की दौड़ में उसी का जोर चल गया, बना के रास्ता जो भीड़ से निकल गया।

हमारा समाचार

सच • सरल • सटीक

@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
9461162346

वर्ष-13 | अंक : 14 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, शुक्रवार, 12 जून, 2026 | मूल्य : 3.00 रुपए | पृष्ठ : 8 | hamarasamachar02@gmail.com

एक नजर

भारतीय क्रू वाले जहाज पर लगातार दूसरे दिन हमलाः 3 लोगों की मौत

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

ओमान के तट के पास गुरुवार को भारतीय क्रू वाले जहाज MT जलवीर पर हमला हुआ है। हमले के बाद इस पर आग लग गई है। हमला किसने किया, इसकी जानकारी नहीं मिली है। घटना के बाद भारतीय दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हालात पर नजर रखे हुए हैं। इससे पहले होर्मुज स्ट्रेट के पास बुधवार को तेल टैंकर 'MT सेत्तेबेल्लो' पर हुए अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों के मौत की पुष्टि हो गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि अब तक दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। इसे लेकर अमेरिकी सेना ने कहा था कि सेत्तेबेल्लो ईरानी तेल ले जा रहा था। उसने चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके बाद उस पर हमला किया गया। यह इस हफ्ते दूसरा मामला है जिसमें भारतीय क्रू वाले जहाज पर अमेरिका ने अटैक किया है। इससे पहले सोमवार को अमेरिका ने तेल टैंकर द मैरिवेक्स पर हमला किया था। उस जहाज पर भी 24 भारतीय नाविक सवार थे और सभी को ओमान की सेना ने सुरक्षित बचा लिया था।

उत्तराखंडः कैल नदी में बोलेरो वाहन गिरने से 4 की मौत, तीन घायल

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

जनपद चमोली के दूरस्थ विकासखंड देवाल से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। गुरुवार को कुंनार-गेस मोटर मार्ग पर एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में लुढ़कते हुए सीधे कैल नदी में जा गिरा। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। वाहन में कुल सात लोग सवार थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुंनार के समीप चालक के नियंत्रण खो देने से वाहन खाई को पार करता हुआ सीधे उफनती कैल नदी में जा समाया। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की भयावहता को देखते हुए स्थानीय ग्रामीण तुरंत रेस्क्यू के लिए घटनास्थल की ओर दौड़े। घटनाक्रम के शुरुआती दौर में एक महिला और एक बच्चा वाहन से छिटककर सुरक्षित बाहर गिर गए थे, जिन्हें चोटें आई हैं। प्रशासन और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कुल तीन घायलों को तुरंत रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया और नजदीकी अस्पताल भिजवाया। वहीं, नदी से अब तक चार शवों को बाहर निकाला जा चुका है।

नोएडा सेक्टर 152 की निर्माणाधीन सोसाइटी में नीचे गिरे दो की मौत

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर 152 स्थित एक निर्माणाधीन सोसाइटी में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में शटरिंग का काम कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा निर्माणाधीन सोसाइटी एटीएस पिक्चरेस्क रिप्रीव में गुरुवार की दोपहर तब हुआ जब मजदूर शटरिंग का काम कर रहे थे। तभी अचानक दो मजदूर ऊंचाई से नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी 24 वर्षीय रईसुल हक पुत्र बदिओर जमाल और 45 वर्षीय अब्दुल समद पुत्र सादात रहमान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों मजदूर ऊंचाई पर शटरिंग का काम कर रहे थे। इसी दौरान उनकी सेफ्टी बेल्ट टूट गई, जिससे वे असंतुलित होकर नीचे गिर पड़े। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राज्यसभा चुनाव; मध्य प्रदेश-गुजरात की सभी राज्यसभा सीटों पर भाजपा जीती; राजस्थान की तीनों सीट पर पूनिया, अलका और डांगी निर्विरोध निर्वाचित

वोटिंग से पहले ही जीते बीजेपी के 9 उम्मीदवार, एक सीट कांग्रेस के पास

हमारा समाचार @ जयपुर

राज्यसभा चुनाव परिणाम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ गया है। गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान, तीनों राज्यों में कुल 9 बीजेपी उम्मीदवार ने निर्विरोध चुनाव जीत लिया है। वहीं राजस्थान में एक सीट कांग्रेस के खाते में गई है। गुजरात में 4, मध्य प्रदेश में 3 और राजस्थान में 2 सीट बीजेपी निर्विरोध जीत गयी है। हालांकि 18 जून को राज्यसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है लेकिन अभी निर्विरोध जीतने वाले उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है।

प्रदेश का नाम	पार्टी का नाम	उम्मीदवार का नाम
गुजरात	भाजपा	राजुभाई शुक्ला
गुजरात	भाजपा	मुकेशभाई राठवा
गुजरात	भाजपा	मानसिंह परमार
गुजरात	भाजपा	जितेन्द्र मेघजीभाई
मध्य प्रदेश	भाजपा	तरुण चुघ
मध्य प्रदेश	भाजपा	रजनीश अग्रवाल
मध्य प्रदेश	भाजपा	महेश केवट
राजस्थान	भाजपा	सतीश पूनियां
राजस्थान	भाजपा	अलका गुर्जर
राजस्थान	कांग्रेस	नीरज डांगी

एमपी; तीन सीटों पर BJP के उम्मीदवार निर्विरोध

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवारों को आज ही जीत का प्रमाण पत्र दे दिया गया। दरअसल, नाम वापसी की समय-सीमा खत्म होने के बाद और केवल तीन पदों के लिए तीन ही नामांकन शेष रहने के चलते सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। ऐसे में रिटर्निंग अधिकारी ने उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा है। बता दें कि 11 जून को दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी की अंतिम समय-सीमा तय है। लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद स्थिति यह बन गई कि तीन सीटों के मुकाबले केवल तीन ही उम्मीदवार मैदान में रह गए, जिससे चुनाव निर्विरोध हो गया। जिसके बाद बीजेपी के तीनों राज्यसभा सांसदों का स्वागत पार्टी कार्यालय में करने की भी तैयारी की जा रही है। विधायक दल के बाद ये सभी नव-निर्वाचित सांसद बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे, जहां प्रदेश अध्यक्ष उनका स्वागत करेंगे। इन सीटों से बीजेपी के तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट का राज्यसभा जाना तय हो गया है।

गुजरात; चारों सीटों पर जीते BJP उम्मीदवार

गुजरात की चार राज्यसभा सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से निर्विरोध घोषित किया गया है। इसलिए अब 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव गुजरात में नहीं होंगे। निर्वाचन आयोग ने भाजपा के राजुभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया को निर्विरोध घोषित किया है। मौजूदा गुजरात विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की संख्या 161 है। कांग्रेस की 12 और आम आदमी पार्टी की केवल पांच सीटें हैं। इसलिए किसी भी विपक्षी दल ने उम्मीदवार नहीं उतारा। इसी वजह निर्वाचन आयोग ने गुजरात में भाजपा के चारों उम्मीदवारों को निर्विरोध घोषित कर दिया है। गुजरात से राज्यसभा में कांग्रेस के इकलौते सांसद और प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है।

राजस्थान में BJP को दो, कांग्रेस को एक सीट

राजस्थान में राज्यसभा की 3 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। 2 सीटों पर भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और 1 सीट पर कांग्रेस के नीरज डांगी ने जीत दर्ज की है। आज नाम वापसी का समय खत्म होने के बाद तीनों उम्मीदवारों को निर्विरोध चुने जाने की घोषणा कर दी गई। विधानसभा सचिव और चुनाव अधिकारी ने तीनों उम्मीदवारों के निर्वाचन सर्टिफिकेट जारी कर दिए हैं। राज्यसभा चुनावों के लिए 18 जून को वोटिंग होनी थी, लेकिन तीन सीटों पर तीन ही उम्मीदवार होने के कारण वोटिंग की जरूरत नहीं पड़ी। तीनों सांसदों का कार्यकाल जून 2032 तक रहेगा। कांग्रेस राज के दौरान राज्यसभा चुनावों के दौरान कड़ा मुकाबला होने के कारण विधायकों की बाड़ेबंदी की गई थी, लेकिन इस बार ऐसी जरूरत नहीं पड़ी। राज्यसभा की तीनों सीटों पर संख्या बल के हिसाब से 2 पर भाजपा और 1 पर कांग्रेस की जीत के समीकरण थे।

कृषि मंत्री ने कानोता में जयपुर बायो फर्टिलाइजर फैक्ट्री पर छापा मारा, गंभीर अनियमितताएं उजागर

भ्रष्टाचार और वसूली के आरोप पर बोले किरोड़ी- 'हाथी के पीछे कुत्ते... रहते हैं'

हमारा समाचार @ जयपुर

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कानोता स्थित हीराबाला इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स निर्माण इकाई पर छापेमारी की। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि निरीक्षण के दौरान उर्वरक निर्माण प्रक्रिया, पैकेजिंग, लेबलिंग और भंडारण व्यवस्था में नियमों की अनदेखी सामने आई है। विभागीय अधिकारियों ने नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेज दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि संबंधित अधिकारियों ने उर्वरकों के नमूने लेकर जांच शुरू कर दी है। नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। किसानों के साथ धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने भ्रष्टाचार और वसूली के आरोपों पर कहा कि ये बेबुनियाद आरोप है। कहते है न कि हाथी के पीछे कुत्ते...रहते है। बता दें कि मंत्री लगातार खाद-बीज की फैक्ट्रियों पर छापा मार रहे है।

रॉ मैटेरियल के रख-रखाव में भी लापरवाही

काई में कच्चे माल का रख-रखाव अव्यवस्थित पाया गया। कई जगहों पर आवश्यक पहचान संबंधी लेबल नहीं लगे थे, जिससे सामग्री की पहचान और गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े हो गए। जांच में सामने आया कि दानेदार जैविक उर्वरक की सामान्य वैधता अवधि 6 महीने होती है, जबकि उत्पाद के कंटेनरों पर इसे 24 महीने तक उपयोग योग्य बताया गया था। अधिकारियों के अनुसार यह जानकारी उपभोक्ताओं और किसानों को भ्रमित करने वाली है। निरीक्षण में उर्वरकों का भंडारण भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। इससे अवैध एवं अनियमित भंडारण की स्थिति उजागर हुई, जो गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नकली खाद और बीज बेचने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फैक्ट्री के बाहर ताले लगाकर अंदर कर रहे थे काम

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा आज कानोता स्थित हीराबाला इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे थे। फैक्ट्री के दोनों दरवाजों पर ताला लगा था। यहां जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स निर्माण इकाई पर छापेमारी की। सीलपैक कट्टों को खुलवाकर सैंपल लिया। मंत्री ने दावा किया कि जैविक उर्वरक निर्माण और भंडारण में कई अनियमितता मिली। मजदूर बंद तालों के अंदर एक लास्ट कोने के कमरों में भरी गर्मी में काम कर रहे थे। आलम ये था कि सभी लोग पसीना-पसीना हो गए थे। जांच में पाया गया कि जैविक उर्वरक का निर्माण निर्धारित मानकों के विपरीत किया जा रहा था। जहां जैविक उर्वरक निर्माण के लिए लगभग 20 डिग्री सेल्सियस तापमान आवश्यक माना जाता है, वहीं इकाई में इसे 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में तैयार किया जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार- अत्यधिक तापमान के कारण उर्वरक में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो सकते हैं, जिससे उसकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता प्रभावित होती है।विभागीय अधिकारियों ने नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पैक सील कट्टों को खुलवाकर उनकी गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने खाद और बीज के नमूनों का परीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पैकेजिंग और लेबलिंग में मिली भ्रामक जानकारी; निरीक्षण के दौरान विभिन्न जैविक उर्वरकों के पैकेजों पर भ्रामक और नियमों के विपरीत जानकारियां अंकित मिली। यह उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा-19 का उल्लंघन माना गया है। अधिकारियों ने इस संबंध में आवश्यक दस्तावेज और नमूने जब्त किए हैं।

करणी विहार थाना इलाके की घटना

खुदाई के दौरान मिट्टी में दबने से तीन महिला मजदूरों की मौत

हमारा समाचार @ जयपुर

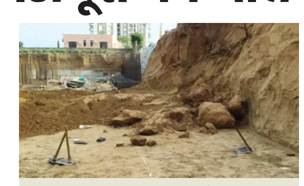

करणी विहार क्षेत्र में गुरुवार शाम को दर्दनाक हादसा हो गया। एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के लिए चल रही खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी ढह गई, जिससे वहां काम कर रही तीन महिला मजदूर मिट्टी के नीचे दबने से उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग और अन्य मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। मृत महिला मजदूर बिहार की रहने वाली थी। जिनकी पहचान सुनीता देवी, अनुती कुमारी और प्रतिमा कुमारी के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि इमारत के बेसमेंट निर्माण के लिए गहराई में खुदाई और समतलीकरण का काम चल रहा था, तभी अचानक मिट्टी का एक बड़ा टीला भरभराकर नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गया। हादसे के समय वहां करीब 20 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे, लेकिन मिट्टी के बिल्कुल पास काम कर रहीं तीन महिला मजदूर इसकी चपेट में आ गईं। हादसे के तुरंत बाद वहां मौजूद साथी मजदूरों ने तत्परता दिखाते हुए मिट्टी हटाने का काम शुरू किया और दबी हुई महिलाओं को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल तीनों महिलाओं को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सुरक्षा में लापरवाही; घटना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण स्थानीय लोगों और साथी मजदूरों में भारी आक्रोश है। पुलिस ने निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवारों की ओर से ठेकेदार और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने की प्रक्रिया की जा रही है।

ये सवाल मांगते हैं जबाव

1. बिना सुरक्षा घेरे और पुख्ता इंतजाम के इतनी गहरी खुदाई क्यों होने दी?
2. क्या प्रशासन और जेडीए के अधिकारी बिल्डरों की इस जानलेवा लापरवाही पर आंखें मूंदकर बैठे हैं?
3. इन गरीब बेटियों की मौत का असली जिम्मेदार कौन? क्या सिर्फ ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज कर खानापूर्ति कर ली जाएगी?

मानसून बिहार पहुंचा, बिजली गिरने से 5 लोगों की मौतः यूपी में तूफान से पेट्रोल पंप की छत गिरी

हमारा समाचार @ नई दिल्ली/जयपुर

मानसून ने गुरुवार को बिहार में एंट्री कर ली है। इसके साथ ही मानसून 17 राज्यों में पहुंच चुका है। वहीं तेलंगाना और आंध प्रदेश में भी मानसून आगे बढ़ गया है। मानसून के अगले 2-3 दिनों में छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और यूपी में एंट्री करने की संभावना है। बिहार के 11 जिलों में आज सुबह से आंधी-बारिश हो रही है। राज्य के खगड़िया में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग झुलस गए हैं।

पटना, बक्सर, सुपौल समेत 5 जिलों में सुबह घने बादलों की वजह से अंधेरा छा गया। लोगों को गाड़ियों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं। राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल में भी बरसात हुई। यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। वहीं, चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत उड़ गई। बरेली, इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में आंधी-तूफान से 4 लोगों की मौत हुई। वहीं पंजाब के मानसा में तेज आंधी में लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई।

22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट

22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। इनमें राजस्थान, एमपी, यूपी, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, तमिलनाडु, केरलम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा शामिल हैं। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी में बारिश का यलो अलर्ट है।

TMC के तीसरे राज्यसभा सांसद का इस्तीफा

कल्याण बनर्जी का अल्टीमेटम- ममता मुझे चुनें या अभिषेक को

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होते नहीं दिख रही हैं। विधायक और सांसद लगातार उनका साथ छोड़ रहे हैं। इस बीच, उनके सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी गुरुवार को नाराजगी सामने आई। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वह बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा कि अगर ममता दीदी को अभिषेक बनर्जी पर ही निर्भर रहना है, तो उनके साथ रहें और मुझे छोड़ द। अगर उनसे अलग रास्ता चुनती हैं, तो मैं ममता दीदी के साथ हूं।

कल्याण की नाराजगी की वजह TMC का फर्जी साइन केस है। उन्होंने बताया, 'मुझे आधी रात को बताया गया कि इस केस से जुड़े वकील बदल दिए गए हैं। इनमें मैं भी था। यह अपमानजनक है।' इधर, TMC के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिनों में 13 में से तीन राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं। 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने पार्टी छोड़ी थी। इससे पहले सांसद काकोली घोष ने दावा किया था कि 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके हैं। वहीं, बंगाल के 80 में से 58 TMC विधायक अलग गुट बना चुके हैं।

मैं बूढ़ा नहीं हुआ, आगे समय बताएगा

इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है। इसलिए, मैंने अपने पद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया। आगे इंतजार कीजिए, समय के साथ सब सामने आएगा। मैं अभी बूढ़ा नहीं हूं। भविष्य में मैं क्या करूंगा, यह समय ही तय करेगा।

ममता और TMC के साथ खड़ा रहना मेरा फर्जः शत्रुघ्न सिन्हा

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में फूट की चर्चाओं के बीच पार्टी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह ममता बनर्जी और टीएमसी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी और पार्टी का साथ देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वहां के लोगों ने उन्हें बहुत प्यार और समर्थन दिया है। सिन्हा ने कहा कि वह बंगाल के सभी लोगों के लिए काम करते हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

दिल्ली में बोले मुख्यमंत्री भजनलाल

युवा शक्ति से प्रदेश बनेगा 350 मिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में शामिल हुए। उन्होंने राजस्थान के विकास के विजन, उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, सुशासन, नवाचार और समावेशी विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा राजस्थान विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। सीएम ने बताया कि, प्रदेश जल्द ही युवा शक्ति व निवेश संवर्धन से प्रदेश बनेगा 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि व महिला सशक्तीकरण राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है इसको लेकर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होने बताया कि, राज उन्नति, संपर्क पोर्टल एवं ग्राम विकास चौपाल से राजस्थान का सुशासन मॉडल का आकार ले रहा है।

ब्रीफ न्यूज

गुरुकुल ताइक्वांडो स्कूल के 11 बच्चों ने येलो बेल्ट

कलर बेल्ट टेस्ट में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, प्रशिक्षकों ने दी शुभकामनाएं

हमारा समाचार @ जयपुर

गुरुकुल ताइक्वांडो मार्शल आर्ट स्कूल, चांद बिहारी नगर, खातीपुरा में कलर बेल्ट सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में नक्ष, डेवीन प्रताप सिंह, लक्ष्या सिंह, विराज सिंह, गोपाल कुमावत, प्रतीक माहेश्वरी, अभिजीत लाल, आर्यन कुमार, देवरथ, रोहित एवं विराज मिसाल ने कलर बेल्ट टेस्ट सेमिनार में भाग लिया। सभी प्रतिभागी बच्चों ने व्हाइट बेल्ट से येलो बेल्ट की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की। सेमिनार के एग्जामिनर दीपक शर्मा, 3 डान ब्लैक बेल्ट साउथ कोरिया, ने बताया कि सभी बच्चे काफी होनहार थे और सभी ने काफी मेहनत और लगन से टेस्ट दिया। इस सफलता पर गुरुकुल ताइक्वांडो मार्शल आर्ट स्कूल के निर्देशक मास्टर प्रवेंद्र सिंह तंवर एवं गुरुकुल ग्रुप आफ एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने सभी बच्चों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रेरणा दिवस पर राजेश पायलट को श्रद्धासुमन

प्रेरणा दिवस पर कांग्रेसजनों ने राजेश पायलट के आदर्शों को किया नमन

हमारा समाचार @ टोंक

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की (पुण्यतिथि) प्रेरणा दिवस पर राजीव गांधी सभागार जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय टोंक में कांग्रेस पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय राजेश पायलट के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए । शहर ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट कि सादगी, साहस और जनसेवा उनके व्यक्तित्व की पहचान थी जीवनभर किसानों, वंचितों, श्रमिकों और शोषितों के अधिकारों के लिए राजेश पायलट ने संघर्ष किया तथा देशहित को अपने जीवन का सर्वोच्च धर्म माना । जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने बताया कि शब्बीर अहमद, सेवादल जिला अध्यक्ष अब्दुल खालिक, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष बरकात हसीन, इंटक जिला अध्यक्ष रशीद मोहम्मद , रामलाल संडीला, युसूफ खान यूनिवर्सल, राजेंद्र बोकण, खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष इम्तियाज़ खान, ओबीसी विभाग जिला अध्यक्ष पंकज यादव, वासिद नूर आमिर फारूक, पार्षद मोहम्मद कमर ,एहसान बाबा ,जावेद चिश्ती,मुराद गांधी, पूर्व पार्षद शकील मियां ,रामदयाल गुर्जर, हुसैन कायमखानी, महेंद्र रजवाल ,आबिद मेव, शबाना बी सेवादल, सुरेंद्र सेवादल ,फरीद खान टोपी वाले, फिरोज नागोरी, जुनैद अहमद, अनवर आदिल अजमल प्रिया आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने स्वर्गीय राजेश पायलट को याद किया । तथा 2 मिनट का मौन धारण किया।

आरसीएसएटी ने निलंबन आदेश पर लगाई रोक

निलंबन आदेश की वैधता पर उठे सवाल, चार सप्ताह में जवाब तलब

हमारा समाचार @ टोंक

राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण ने गुरुवार को टोंक ज़िलें के डांगरथल के ग्राम विकास अधिकारी के निलंबन पर रोक लगाते हुए राज्य के प्रमुख पंचायती राज सचिव, टोंक कलेक्टर, टोंक जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा पंचायत समिति निवाई के विकास अधिकारी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह मे जवाब तलब किया हैं । न्यायिक सदस्य पूनम दरगन व सदस्य प्रकाश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह आदेश निवाई पंचायत समिति के डांगरथल ग्राम पंचायत की ग्राम विकास अधिकारी राजयंती बैरवा द्वारा अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिये दायर की गई अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील मे बताया गया हैं कि अतिरिक्त आयुक्त पंचायतीराज विभाग के आदेश की पालना मे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)की वरीयता सूची मे से पात्र व्यक्तियों के नाम पर्थक करने संबंधि शिकायती प्रकरण मे दोषी पाए जाने के कारण टोंक जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा 13 मई 2026 को अपिलार्थी का निलंबन कर उसका मुख्यालय टोंक जिला परिषद मे कर दिया जिसे अपील मे यह कहते हुए चुनौती दी गई की जिला परिषद की स्थाई स्थापना समिति हीं पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 298 के तहत उसे निलंबित कर सकती हैं, क्योंकि उसकी नियुक्ति अधिकारी जिला परिषद हैं, ऐसे मे मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा जारी किया गया आदेश अवैधनिक व गैर कानूनी हैं।

तीन साल बाद भी नहीं सूखा 'जलप्रलय' का दर्द 18 जून का नाम सुनते ही सहम उठता है तखतगढ़

मानसून की आहट के साथ लौटने लगा वही डर, लोगों का सवाल-क्या इस बार भी पानी में डूबेगा तखतगढ़

हमारा समाचार @ सुमेरपुर

18 जून... यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि तखतगढ़ के हजारों लोगों के लिए एक ऐसा जख्म है, जो तीन साल बाद भी नहीं भर पाया है। जैसे-जैसे 18 जून नजदीक आती है, वैसे-वैसे वर्ष 2023 की वह भयावह जलप्रलय लोगों की आंखों के सामने फिर से जीवंत हो उठती है। वह दिन, जब आसमान से बरसी आफत ने पूरे कस्बे को पानी की कैद में धकेल दिया था। घरों में घुसता पानी, मदद के लिए पुकारते लोग, छतों पर शरण लेते परिवार और हर तरफ पसरा भय–यह दृश्य आज भी लोगों को अंदर तक झकझोर देता है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में स्थित तखतगढ़ ने कई बार बाढ़ का दंश झेला है, लेकिन 18 जून 2023 की त्रासदी को लोग आज भी सबसे भयावह आपदा के रूप में याद करते हैं। उस दिन प्रकृति के रौद्र रूप ने विकास, व्यवस्थाओं और तैयारियों के सभी दावों की पोल खोल दी थी। 'आपदा के तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी उस त्रासदी के निशान तखतगढ़ की गलियों, लोगों की यादों और उनके जख्मी मन में साफ दिखाई देते हैं। हर वर्ष 14 जून आते ही लोग उन भयावह पलों को याद कर ईश्वर से ऐसी आपदा दोबारा कभी नहीं आने की प्रार्थना करते हैं।

जब पूरा कस्बा बन गया था 'जलद्वीप'

चक्रवाती तूफान के प्रभाव से हुई मूसलाधार बारिश ने कुछ ही घंटों में तखतगढ़ की तस्वीर बदल दी। सड़कें नदी बन गई, गलियां तालाब में तब्दील हो गईं और घरों में कमर से लेकर छत तक पानी भर गया। महावीर बस्ती, खारचियावास, धोरावास, रामकावावास, सैनिक कॉलोनी, डाकलो का वास और जालोर चौराहे से पुलिस थाने तक का इलाका जलमग्न हो गया। लोग अपने परिवारों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए संघर्ष करते रहे।

हर बाढ़ के बाद वादों की बाढ़, लेकिन समाधान नहीं

तखतगढ़ में वर्ष 1989-90, 2006-07, 2016-17, 2018 और 2023 में आई बाढ़ों ने करोड़ों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। हर बार राहत कार्य हुए, सर्वे हुए, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और बड़े-बड़े आश्वासन दिए गए। 2023 की बाढ़ के बाद भी कई मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। पीड़ितों से मुलाकात की गई और समाधान का भरोसा दिलाया गया। लेकिन तीन साल बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बाढ़ के स्थायी समाधान के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई हुई है।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए होते तो तखतगढ़ को बार-बार इस त्रासदी का सामना नहीं करना पड़ता।

एक दरकी पाल ने टाल दी और बड़ी तबाही

स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि बायोसा मंदिर के समीप स्थित तालाब की पाल एक स्थान पर नहीं दरकती, तो तखतगढ़ का बड़ा हिस्सा और अधिक तबाही का शिकार हो सकता था।तालाब ओवरफ्लो होने के बाद पानी का दबाव लगातार बढ़ रहा था। पाल के एक हिस्से के टूटने से अतिरिक्त पानी बाहर निकल गया और जलस्तर में कुछ कमी आई। लेकिन इसी तेज बहाव ने डाकलो का वास क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया। कई परिवारों के मकान ढह गए। वर्षों की मेहनत से बनाए गए आशियाने कुछ ही घंटों में मलबे में तब्दील हो गए। कई परिवार आज भी उस दर्द को भूल नहीं पाए हैं।

बेटी के हाथ पीले होने थे, लेकिन पहले उजड़ गया घर

बाढ़ की त्रासदी की सबसे मार्मिक कहानी उस परिवार की है, जिसकी बेटी की शादी कुछ दिनों बाद होने वाली थी। घर में खुशियों का माहौल था। शादी की तैयारियां चल रही थीं। रिश्तेदारों का आना-जाना शुरू हो चुका था। लेकिन अचानक आई बाढ़ ने सब कुछ खत्म कर दिया। परिवार का घर ढह गया और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। बाद में सामाजिक संगठनों, भामाशाहों और समाजसेवियों ने आगे आकर मदद की और बेटी की शादी करवाई। लेकिन दुखद सच्चाई यह है कि वर्षों बाद भी परिवार को स्थायी पुनर्वास नहीं मिल पाया है और आज भी वह संघर्षपूर्ण जीवन जी रहा है।

नेशनल हाईवे-325 बना नई चुनौती

स्थानीय नागरिकों और जानकारों का मानना है कि नेशनल हाईवे-325 के निर्माण के बाद जलभराव की समस्या और गंभीर हुई है। हाईवे की ऊंचाई अधिक होने के कारण बरसाती पानी का प्राकृतिक बहाव प्रभावित हुआ है और बड़ी मात्रा में पानी तखतगढ़ की ओर मुड़ जाता है। इसके अलावा तालाबों और नालों की सफाई तथा जल निकासी व्यवस्था को लेकर भी लंबे समय से लापरवाही बरती जा रही है। परिणामस्वरूप भारी बारिश होते ही बाढ़ का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

मानसून की दस्तक के साथ लौट आया डर

एक बार फिर मानसून का मौसम दस्तक देने वाला है। मौसम बदल रहा है, लेकिन तखतगढ़ के लोगों के मन में छिपा भय आज भी वैसा ही है। जिन परिवारों ने बाढ़ में अपना सब कुछ खोया था, वे आज भी बारिश की पहली तेज फुहार के साथ बेचैन हो उठते हैं। कई लोगों का कहना है कि बादलों की गड़गड़ाहट सुनते ही 2023 की भयावह रात आंखों के सामने घूमने लगती है। सबसे बड़ा सवालः क्या इतिहास फिर दोहराएगा खुद को तखतगढ़ के लोग वर्षों से तालाबों की वैज्ञानिक सफाई, स्थायी ड्रेनेज सिस्टम, बाढ़ नियंत्रण योजना और जल निकासी के मजबूत इंतजाम की मांग कर रहे हैं। ज्ञापन दिए गए, बैठकें हुईं, सर्वे हुए, लेकिन समाधान आज भी इंतजार में है। अब जब 18 जून 2023 की जलप्रलय की तीसरी बरसी सामने है और मानसून सिर पर खड़ा है, तब पूरा तखतगढ़ एक ही सवाल पूछ रहा है–क्या इस बार प्रशासन बाढ़ आने से पहले जागेगा, या फिर तखतगढ़ को एक बार फिर पानी, परेशानी और तबाही के भरोसे छोड़ दिया जाएगा

हमारा समाचार की विशेष सूचना

तखतगढ़ की यह पीड़ा केवल एक कस्बे की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है जो हर आपदा के बाद वादे तो करती है, लेकिन स्थायी समाधान देने में बार-बार असफल साबित होती है। 18 जून की तारीख आज भी लोगों को डराती है, क्योंकि जलप्रलय का पानी भले उतर गया हो, लेकिन उसके जख्म आज भी ताजा हैं।

भामाशाहों के सहयोग से गौमाताओं को मिला हरा चारा

हमारा समाचार @ सुमेरपुर

गौसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राम गौशाला में गुरुवार को एक प्रेरणादायक सेवा कार्य देखने को मिला। राम गौशाला सेवा समिति कोलीवाडा अधक्ष धीरज सांखला के निर्देशन में ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष एकादशी के पावन अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष मूलचंद नामदेव की प्रेरणा से श्री विठ्ठल भगवान शिव वाटिका की ओर से राम गौशाला कोलीवाडा गौमाताओं के लिए हरे चारे से भरी एक ट्रॉली भेंट की गई। इस पुनीत कार्य से गौशाला में निवास कर रही गौमाताओं के लिए चारे की व्यवस्था मजबूत हुई और गौसेवकों में हर्ष का वातावरण दिखाई दिया। गौशाला परिसर में चारा पहुंचने पर गौसेवकों एवं पदाधिकारियों ने भामाशाहों का अभिनंदन करते हुए इसे गौसेवा के प्रति समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उपस्थित गौभक्तों ने कहा कि वर्तमान समय में गौशालाओं के संचालन में समाज के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है और ऐसे सेवाभावी लोग ही गौसेवा की परंपरा को जीवंत बनाए हुए हैं। गौशाला अध्यक्ष ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, आस्था और संवेदनाओं का प्रतीक है। उनकी सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता और जीवदया का सर्वोच्च स्वरूप है। ऐसे में गौशाला के लिए हरे चारे की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्यदायी कार्य है। इस अवसर पर गौशाला के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विठ्ठल भगवान शिव वाटिका तथा सभी गौसेवक भामाशाहों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग और गौभक्तों की सहभागिता से ही गौशाला का संचालन सुचारू रूप से संभव हो पा रहा है। गौशाला परिवार ने कामना की कि गौमाता और भगवान महादेव की कृपा सभी सेवाभावी भामाशाहों पर सदैव बनी रहे तथा उन्हें भविष्य में भी गौसेवा के ऐसे पुण्य कार्यों में भागीदारी का अवसर मिलता रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवलाल परिहार, व्यवस्थापक पुखराज कुमावत, खीमाराम कुमावत, मोहनदास वैष्णव आदि सदस्यगण मौजूद रहे। जहां एक ओर लोग निजी स्वार्थों में व्यस्त हैं, वहीं गौसेवा के लिए आगे आ रहे भामाशाह समाज को यह संदेश दे रहे हैं कि सेवा, संवेदना और संस्कार ही भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान हैं। गौमाता के लिए समर्पित हर सहयोग न केवल गौशालाओं को संबल देता है, बल्कि समाज में मानवीय मूल्यों को भी मजबूत करता है।

जल जीवन मिशन के दावे फेल, बूंद-बूंद को तरसे लोग

फुलेरा-काचरोदा में सात दिनों से पेयजल संकट, महंगे टैंकरों के सहारे बुझा रहे प्यास; जल जीवन मिशन की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

हमारा समाचार @ फुलेरा

भाजपा की डबल इंजन सरकार और सांसद के जल जीवन मिशन के 'हर घर नल-हर नल में जल 'के दावे हो रहे हैं फेल, फुलेरा-काचरोदा में महंगे टैंकरों के सहारे प्यास बुझाने को लोग मजबूर हो रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार और क्षेत्रीय सांसद द्वारा जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे 'हर घर नल, हर नल में जल' के दावों के बीच क्षेत्र की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है। भीषण गर्मी के बीच फुलेरा के कच्छी गोदाम,श्रीरामनगर क्षेत्र सहित कई इलाकों में पेयजल संकट गहराया हुआ है। ग्राम काचरोदा में पिछले सात दिनों से जलापूर्ति बाधित बताई जा रही है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को मजबूरन महंगे दामों पर निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे है।

फुलेरा और काचरोदा में गहराए पेयजल संकट ने जलापूर्ति व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित जलापूर्ति नहीं होने से गर्मी के इस मौसम में पानी की समस्या ने आमजन की परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

जनता की समस्या को लेकर स्थानीय जागरूक गोविंदसिंह बड़गुर्जर ने जलदाय विभाग केअधिक्षण अभियंता से संपर्क कर फुलेरा व काचरोदा के पेयजल संकट की जानकारी दी तथा तत्काल समाधान की मांग की।इसपर उन्होंने जल्द समाधान का आश्वासन दिया है। जबकि गोविंद सिंह बडगूजर ने कहा कि इसके बावजूद यदि समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो उच्च स्तरीय एवं मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए जनता का परेशान होना दुर्भाग्यपूर्ण है और जिम्मेदार अधिकारियों को इस विषय में गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही समाधान करना चाहिए।

मंगलानंद संस्था ने परिंडे लगाकर दिया सेवा का संदेश

नेकी की दीवार योजना के तहत लगाए गए बेजुबान पक्षियों के लिए दाना पानी आवास के परिंडे

हमारा समाचार @ सांभर लेक

खबर जयपुर जिले के फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के फुलेरा कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र में बेजुबान पक्षियों के लिए लगाए जा रहे हैं दाना पानी आवास के परिंडे। जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति इस बार भी सांभर कस्बे में संचालित उपखंड पत्रकार संघ की सहयोगी संस्था मंगलानंद सेवा संस्था के द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए नेकी की दीवार योजना के अंतर्गत जनसहभागिता के माध्यम से समाजसेवियों भामाशाहों सहित जनसहयोग से जगह जगह मंदिर परिसरों, मोक्षधाम परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना पानी एवं आवास की व्यवस्था के लिए परिंडे लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज पुरूषोत्तम मास के पावन अवसर पर फुलेरा कस्बे के बलाई समाज मोक्ष धाम, एवं श्री बुद्ध नाथ जी की बगीची परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर श्री बुद्ध नाथ बगीचे महंत श्रीं श्रीं 108 श्री अमरनाथ जी फुलेरा नगरपालिका निर्वतमान पार्षद त्रिलोक चंद भाटी, नाथूलाल खारड़िया,सुरज तंवर, कन्हैयालाल गांधी,के साथ-साथ सांभर बलाई समाज अध्यक्ष मोहन गर्वा, समाजसेवी भोजराज तंवर सहित उपखंड पत्रकार संघ एवं मंगलानंद सेवा संस्था के अध्यक्ष आनन्द प्रकाश वर्मा, के साथ ही फुलेरा क्षेत्र के समाजसेवी गणमान्य जन, भक्तगण उपस्थित रहे। ग़ौरतलब है कि सांभर कस्बे में संचालित मंगलानंद सेवा संस्था द्वारा लगातार मंदिर परिसर, मोक्षधाम परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जा रहे हैं,

मिलावटखोरों पर शिकंजा, दूध के नमूने जांच को

हमारा समाचार @ जयपुर

राज्य सरकार द्वारा संचालित 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए दूध में मिलावट की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत दूध में मिलावट करने वाले विक्रेताओं, संग्रहकर्ताओं तथा मिलावटी दूध लेने वाली डेयरियों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला तथा जयपुर प्रथम के अभिहित अधिकारी डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में गठित विशेष संयुक्त दल ने विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण कर दूध के नमूने लिए।

विभागीय टीम ने 10 जून को जाहोता स्थित फार्मर मिल्क डेयरी से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत गाय के दूध का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया। इसके बाद रामपुरा स्थित जयपुर गो संवर्धन समिति में देर रात्रि निरीक्षण कर वहां से भी गाय के दूध का नमूना लिया गया।कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए संयुक्त दल ने प्रातः लगभग 4:30 बजे ढाणी शेरावातों में पहुंचकर शिव कुमार जाट के यहां से गाय के दूध का नमूना जांच के लिए लिया। निरीक्षण के दौरान जहां भी कमियां पाई गईं, वहां संबंधित संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा मिलावटी दूध के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से चार विशेष खाद्य सुरक्षा दलों का गठन किया गया है। ये दल दूध उत्पादकों, संग्रहकर्ताओं और विक्रेताओं से जुड़ी सूचनाएं एकत्र कर संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई करेंगे।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

पाली पुलिस का बड़ा ऑपरेशनः अवैध हथियार नेटवर्क का मास्टरमाइंड दबोचा, अब खुलेंगे अपराध जगत के कई बड़े राज

10 हजार का इनामी और टॉप-10 बदमाश रवसा गिरफ्तार

हमारा समाचार @ सुमेरपुर

पाली जिले में अपराधियों और अवैध हथियार तस्करों के खिलाफ छेड़ी गई निर्णायक लड़ाई में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। तखतगढ़ थाना पुलिस ने जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश रविंद्रसिंह उर्फ रेवंतसिंह उर्फ रवसा को गिरफ्तार कर अपराध जगत में खलबली मचा दी है। अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त का मुख्य सप्लायर माने जा रहे इस आरोपी की गिरफ्तारी को जिले में अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पाली पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन के नेतृत्व में चल रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाली चैनसिंह मेचा और वृत्ताधिकारी सुमेरपुर जितेंद्रसिंह के सुपरविजन में तखतगढ़ थानाधिकारी शैतानसिंह निपु की टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी। लंबे समय से पुलिस की निगरानी में चल रहे आरोपी को आखिरकार कानून के शिकंजे में ले लिया गया।

हथियारों का नेटवर्क चलाने वाला बड़ा खिलाड़ी निकला रवसा

पुलिस जांच में सामने आया कि पूर्व में तखतगढ़ क्षेत्र में पकड़े गए आरोपियों से बरामद पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूसों के पीछे रवसा का ही हाथ था। वह अवैध हथियारों की सप्लाई कर अपराधियों को ताकत पहुंचाने का काम कर रहा था। पुलिस ने तकनीकी निगरानी, मुखबिर तंत्र और लगातार पीछा कर आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अवैध हथियारों की सप्लाई से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य स्वीकार किए हैं। अब पुलिस उससे यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार कहां से आते थे, किन-किन अपराधियों तक पहुंचाए जाते थे और इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है।

आठ मामलों का हिस्ट्रीशीटर, छह केस आर्म्स एक्ट के

गिरफ्तार आरोपी रविंद्रसिंह उर्फ रेवंतसिंह उर्फ रवसा (24) निवासी सैनिक कॉलोनी तखतगढ़ के खिलाफ आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें छह मामले सीधे आर्म्स एक्ट से जुड़े हैं। पुलिस का मानना है कि उसकी गिरफ्तारी से जिले में सक्रिय हथियार तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकता है।

अपराधियों को साफ संदेशः बचना अब नामुमकिन

इस कार्रवाई के बाद जिले के अपराधियों और हथियार तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि अपराध चाहे कितना भी संगठित क्यों न हो, कानून की पहुंच उससे कहीं ज्यादा मजबूत है। जो लोग अवैध हथियारों के दम पर कानून व्यवस्था को चुनौती देने का प्रयास करेंगे, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचना ही होगा।

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थानाधिकारी शैतानसिंह निपु, जसाराम, मकसूद खान, पदमाराम, श्रवण कुमार जाखड़, सांवलाराम सैन और गणपतसिंह की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

टीम ने लगातार प्रयास, सटीक रणनीति और प्रभावी सूचना तंत्र के दम पर इस बड़ी सफलता को हासिल किया।

रवसा की गिरफ्तारी केवल एक अपराधी की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पूरे अवैध हथियार कारोबार पर पुलिस का करारा प्रहार है। जिस व्यक्ति पर अपराधियों को हथियार उपलब्ध कराने का आरोप है, उसके शिकंजे में आने से कई बड़े चेहरों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अब पूरे जिले की नजर पुलिस पूछताछ पर है, क्योंकि इससे हथियार तस्करी के उस नेटवर्क का खुलासा हो सकता है, जो लंबे समय से अपराधियों को ताकत पहुंचा रहा था। पाली पुलिस की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि जिले में अपराधियों के लिए अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है।

ब्रीफ न्यूज़

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने नवनिर्वाचित सदस्यों को दी बधाई

हमारा समाचार @ जयपुर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान से राज्यसभा के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 में निर्वाचित घोषित किए गए डॉ. अलका सिंह, डॉ. सतीश पूनिया एवं नीरज डांगी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। देवनानी ने कहा कि राज्यसभा देश की सर्वोच्च संसदीय संस्थाओं में से एक है तथा उन्हें विश्वास है कि नव निर्वाचित सदस्य अपने अनुभव, ज्ञान एवं जनसेवा के प्रति समर्पण के माध्यम से सदन की गरिमा को और अधिक समृद्ध करेंगे तथा राजस्थान एवं देश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएंगे। उन्होंने सभी निर्वाचित सदस्यों के सफल एवं जनहितकारी संसदीय कार्यकाल की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भामाशाह ने श्मशान और कब्रिस्तान में करवाई बोरिंग, ग्राम पंचायत ने किया सम्मान

हमारा समाचार @ बोराज

बोराज ग्राम के सार्वजनिक श्मशान व कब्रिस्तान मे भामाशाहों द्वारा अपने निजी खर्चे पर सिंगल पेश बोरिंग का निर्माण करवाया गया है। गुरुवार को दोनों बोरिंगो का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत प्रशासक सुरेन्द्र सिंह मीणा रहे। वार्डपंच प्रतिनिधि विजय सांखला ने बताया कि सार्वजनिक श्मशान घाट व कब्रिस्तान मे ग्राम पंचायत प्रशासक सुरेन्द्र सिंह मीणा की पहल पर सलीम मंसूरी व सफी शेख ने सिंगल पेश बोरिंग का निर्माण करवाया। सांखला ने बताया की बोरिंगो मे मोटर, केबल, स्टार्टर, रस्सा, पाइप आदि सामान ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध करवाकर गुरुवार को विधिवत रूप से दोनों स्थानों के बोरिंगो को चालू कर जनता को समर्पित किया गया। प्रशासक सुरेंद्र मीणा ने कहा की बोरिंग निर्माण से श्मशान व कब्रिस्तान मे आने वाली पानी की समस्या दूर होगी तथा पेड़ पौधे लगाने मे काफ़ी मदद मिलेंगी। भामाशाह सलीम व सफी शेख का ग्राम पंचायत ने माला व मिठाई खिलाकर स्वागत सम्मान किया । पंचायत प्रशासक सुरेन्द्र सिंह मीणा ने कहा कि भामाशाहों ने सार्वजनिक श्मशान और कब्रिस्तान में बोरिंग निर्माण करवाकर सराहनीय कार्य किया है। इस मोके पर प्रशासक सुरेंद्र सिंह मीणा, , धारा सिंह, आदि मौजूद रहे।

वैभव गहलोत ने वरिष्ठ कांग्रेसी छोगालाल सुथार को दी श्रद्धांजलि

शोक संतप्त परिवार से मिलकर जताई संवेदना, कहा- समाज और कांग्रेस के प्रति उनका योगदान सदैव रहेगा स्मरणीय

हमारा समाचार @ जालोर

जालोर। जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने गुरुवार को जालोर पहुंचकर राजस्थान सरकार की जन अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष पुखराज पराशर के निवास पर जाकर उनके पिता एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता स्वर्गीय छोगालाल सुथार के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। कांग्रेस जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि वैभव गहलोत ने परिजनों से मुलाकात कर उनके दुख में सहभागी होते हुए सांत्वना दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर वैभव गहलोत ने कहा कि स्वर्गीय छोगालाल सुथार ने कांग्रेस संगठन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सरल व्यक्तित्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा हमेशा याद की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ताओं की सेवाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत होती हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी स्वर्गीय छोगालाल सुथार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान सवाराम पटेल, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष नैनसिंह राजपुरोहित, पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, वीरेंद्र जोशी, सवाई सिंह चम्पावत, भोमाराम मेघवाल, खसाराम मेघवाल, मुमताज़ अली, विनोद चौधरी, सुष्मिता गर्ग, चतराराम सुथार सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकार ने निकाय चुनाव से पहले लोगों को दी राहत, आज से 15 जुलाई तक लगेंगे शहरी सेवा शिविर

पट्टे, फ्री-होल्ड व नियमन के मामलों को बनाया सरल, शुल्क और प्रीमियम में 100 प्रतिशत छूट

हमारा समाचार @ जयपुर

सरकार ने नगर निकाय चुनाव से पहले शहर के लोगों को राहत दी है। सरकार ने शुक्रवार से प्रदेशभर में शहरी सेवा शिविर-2026 की शुरुआत करने का फैसला किया है। यह अभियान 12 जून से 15 जुलाई तक चलेगा। अभियान में सभी नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, नगर सुधार न्यास और हाउसिंग बोर्ड क्षेत्रों में चलेगा। शिविरों में लंबित प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया जाएगा और आम जनता को अलग-अलग सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।सरकार ने इस बार पट्टों, नियमन और भूमि संबंधी मामलों में बड़ी राहत दी है। भवन निर्माण स्वीकृति शुल्क में छूट के साथ नामांतरण, उप-विभाजन, पुनर्गठन, भू-उपयोग परिवर्तन और फ्री-होल्ड जैसे मामलों में प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। इसके साथ ही मौका निरीक्षण की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। जबकि आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि को भी 15 दिन से घटाकर 7 दिन कर दी गई है।

कॉलोनियों के नियमन की राह हुई आसान

इस अभियान में कृषि भूमि पर विकसित 31 दिसंबर 2021 तक की कॉलोनियों को विशेष प्रावधानों के तहत नियमन का लाभ मिलेगा। वहीं सरकारी भूमि पर 1 जनवरी 2013 तक बसी कॉलोनियों का भी नियमन किया जाएगा। डीनोटिफाइड कच्ची बस्तियों के निवासियों को भी पट्टा जारी करने का प्रावधान रखा गया है। 200 वर्गमीटर तक के भूखंड के लिए पट्टा मात्र 100 रुपए प्रति वर्गमीटर और 200 से 500 वर्गमीटर तक 120 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से जारी किया जाएगा। पुराने बिजली-पानी के बिल और बिना रजिस्ट्री वाले पुराने इकरारनामों के आधार पर भी पात्र लोगों को राहत मिलेगी।

शुल्क और प्रीमियम में 100 प्रतिशत छूट

राज्य सरकार ने स्टाम्प शुल्क और अतिरिक्त प्रीमियम में 100 प्रतिशत तक की छूट देने का प्रावधान किया है। पुरानी लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में भी 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। नामांतरण शुल्क में 50 प्रतिशत तक और भू-उपयोग परिवर्तन, उप-विभाजन और पुनर्गठन शुल्क में 25 से 75 प्रतिशत तक राहत दी गई है।

शिविरों में मिलेंगी ये प्रमुख सेवाएं

शिविरों में जन्म-मृत्यु और विवाह पंजीकरण, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, सीवर कनेक्शन, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति, नामांतरण, फ्रीहोल्ड, लीज मुक्ति, भू-उपयोग परिवर्तन, उप-विभाजन और पुनर्गठन सहित अलग-अलग सेवाओं का निस्तारण किया जाएगा। इसके साथ ही सड़क, नाली, सीवर, स्ट्रीट लाइट, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों के रखरखाव, आवारा पशुओं की धरपकड़, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना, कुसुम योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे।

ऑनलाइन होंगे आवेदन, मौके पर मिलेगी सुविधा

शिविरों में अधिकांश आवेदन ऑनलाइन लिए जाएंगे। जिन सेवाओं में ऑनलाइन व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, वहां ऑफलाइन आवेदन स्वीकार कर निकाय खुद उन्हें ऑनलाइन दर्ज करेंगे। प्रत्येक शिविर में हेल्प डेस्क, ई-मित्र, नोटरी, स्टाम्प वेंडर और डीड राइटर की व्यवस्था भी की जाएगी।

अलमारी का ताला तोड़ नगदी और चांदी के आभूषण चोरी

हमारा समाचार @ रतनगढ़

रतनगढ़ के वार्ड संख्या 42 में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने वार्ड 42 निवासी पाण्डूराम बंजारा के घर में घुसकर अलमारी का ताला तोड़कर नकदी सहित चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। बताया जा रहा है कि चोर मकान से करीब 70 हजार रुपए नकद, डेढ़ किलो चांदी के आभूषण और 25 पुराने चांदी के सिक्के चोरी कर ले गए। वारदात के समय पीड़ित परिवार सो रहा था और चोरों ने अलमारी को तोड़कर उक्त सामान की चोरी कर ली। गुरुवार को घटना का पता चलने पर निवर्तमान पार्षद डीलर पुरुषोत्तम इंदोरिया ने पुलिस को सूचना दी, जिस पर एएसआई सुरेश कुमार मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली।

रेल मंत्री से मिले राजेश गुर्जर, सांभर-आसलपुर में ट्रेन ठहराव और ओवरब्रिज निर्माण की मांग

हमारा समाचार @ जयपुर

भाजपा जयपुर देहात दक्षिण के जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के जयपुर आगमन पर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास और आमजन की सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपे। राजेश गुर्जर ने सांभर एवं आसलपुर रेलवे स्टेशनों पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग उठाते हुए कहा कि क्षेत्र के हजारों यात्रियों को पर्याप्त रेल सुविधाएं नहीं मिल पाने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सांभर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 14661/14662 बाड़मेर-शालीमार एक्सप्रेस एवं 20489/20490 मालानी एक्सप्रेस तथा आसलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15013/15014 काठगोदाम-जैसलमेर रानीखेत एक्सप्रेस और 19411/19412 दौलतपुर चौक-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की। मुलाकात के दौरान उन्होंने एलसी-243 (आसलपुर) एवं एलसी-245 (ढिण्ढा) रेलवे फाटकों पर स्वीकृत रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करवाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि दोनों ओवरब्रिज अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्वीकृत हैं तथा 26 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इनका शिलान्यास किया जा चुका है। इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से क्षेत्रवासियों को लंबे समय से परेशानी झेलनी पड़ रही है। राजेश गुर्जर ने बताया कि महला-नागौर स्टेट हाईवे पर स्थित आसलपुर रेलवे फाटक पर प्रतिदिन भारी यातायात रहता है और फाटक लंबे समय तक बंद रहने से जाम की स्थिति बन जाती है। वहीं मोखमपुरा-अजमेर रोड से जोबनेर रोड को जोड़ने वाले ढिण्ढा रेलवे फाटक पर भी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे आमजन, विद्यार्थी, किसान और व्यापारी प्रभावित होते हैं। उन्होंने दोनों रेलवे ओवरब्रिजों का निर्माण शीघ्र शुरू कर जनसमस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। राजेश गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को आगे भी सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाता रहेगा।

श्रद्धालुओं और आमजन की सुविधाओं को लेकर पूर्व पार्षदों ने उठाई आवाज

6 लेन सड़क, स्वच्छ पेयजल, सीवरेज और सोलर लाइट व्यवस्था की मांग

हमारा समाचार @ खाटूश्यामजी

खाटूश्यामजी। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी खाटूश्यामजी में लाखों श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर गुरुवार को पूर्व पार्षदों ने नगरपालिका प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जनहितकारी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। पूर्व पार्षद अनिल शर्मा, राजवीर सिंह, दामोदर प्रसाद वर्मा एवं अशोक सामरिया ने नगरपालिका पहुंचकर अधिशासी अधिकारी की अनुपस्थिति में कनिष्ठ अभियंता पूरणमल कुमावत को ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा नए निकासी मार्ग पर चल रहे चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत को भी मांगों से अवगत कराया। ज्ञापन में बताया गया कि रींगस-खाटू मार्ग पर लगातार बढ़ते यातायात और आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए सड़क को 6 लेन में विकसित किया जाना आवश्यक है। साथ ही कस्बे के कई क्षेत्रों में जर्जर पेयजल पाइपलाइनों के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंचने से लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में पाइपलाइन व्यवस्था को दुरुस्त कर सभी वार्डों में पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने की मांग की गई। पूर्व पार्षदों ने बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कस्बे में सीवरेज व्यवस्था शीघ्र लागू करने की आवश्यकता भी जताई। वहीं सोलर लाइट वितरण में भेदभाव के आरोप लगाते हुए जिन वार्डों में अब तक सोलर लाइटें नहीं लगी हैं, वहां भी प्राथमिकता से प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग रखी। ज्ञापन में कहा गया कि खाटूधाम में प्रतिवर्ष करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में नगर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

खाटूधाम में रास्ता चौड़ीकरण का निरीक्षण करने पहुंचे एसपी

हमारा समाचार @ खाटूश्यामजी

विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी खाटूधाम में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम आवागमन को लेकर चल रहे रास्ता चौड़ीकरण अभियान का गुरुवार को सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत ने निरीक्षण किया। उन्होंने श्याम मंदिर के नए निकासी मार्ग से गुवाड़ चौक तक चल रहे कार्य का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान एसपी नुनावत ने कहा कि खाटूधाम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं तथा विशेष अवसरों पर यह संख्या लाखों में पहुंच जाती है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम करने के लिए रास्ता चौड़ीकरण जैसे कार्य समय की आवश्यकता हैं। इस दौरान नायब तहसीलदार रामनिवास बोचल्या, रींगस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक गर्ग सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। मौके पर नगरपालिका के कनिष्ठ अभियंता पूरणमल कुमावत ने चल रहे कार्यों की जानकारी दी। एसडीएम मोनिका सामोर और नगरपालिका अधिशासी अधिकारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि चौड़ीकरण अभियान का यह पहला चरण है, जिसके तहत नए निकासी मार्ग से गुवाड़ चौक तक सड़क को विकसित किया जा रहा है। इसके बाद दूसरे चरण में राजू की चैन से कबूतर चौक, श्याम मंदिर, प्राचीन श्याम कुंड होते हुए शनि मंदिर तक मार्ग को चौड़ा किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार योजना पूरी होने के बाद खाटूधाम में भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और श्रद्धालुओं की आवाजाही पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित एवं सुगम हो सकेगी। वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि अभियान तय योजना के अनुसार पूरा होता है तो आने वाले समय में खाटूधाम की सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल जाम और आवागमन की परेशानी से काफी हद तक राहत मिल सकेगी।

पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजेश पायलट को किया याद

हमारा समाचार @ टोंक

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की (पुण्यतिथि) प्रेरणा दिवस पर राजीव गांधी सभागार जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय टोंक में कांग्रेस पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय राजेश पायलट के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। शहर ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट कि सादगी, साहस और जनसेवा उनके व्यक्तित्व की पहचान थी जीवनभर किसानों, वंचितों, श्रमिकों और शोषितों के अधिकारों के लिए राजेश पायलट ने संघर्ष किया तथा देशहित को अपने जीवन का सर्वोच्च धर्म माना । जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने बताया कि शब्बीर अहमद, सेवादल जिला अध्यक्ष अब्दुल खालिक, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष बरकात हसीन, इंटक जिला अध्यक्ष रशीद मोहम्मद , खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष इम्तियाज़ खान, ओबीसी विभाग जिला अध्यक्ष पंकज यादव, वासिद नूर आमिर फारूक, पार्षद मोहम्मद कमर ,एहसान बाबा ,जावेद चिश्ती,मुराद गांधी, पूर्व पार्षद शकील मियां , हुसैन कायमखानी, महेंद्र रजवाल , सुरेंद्र सेवादल ,फरीद खान टोपी वाले, फिरोज नागोरी, जुनैद अहमद, अनवर आदिल अजमल प्रिया आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने स्वर्गीय राजेश पायलट को याद किया । तथा 2 मिनट का मौन धारण किया।

मोदी सरकार ने राजस्थान का रेल बजट किया 15 गुणा- अश्विनी वैष्णव

राजधानी जयपुर को 5 नई सौगात, क्वांटम लैब, सेमीकंडक्टर लैब, एआई लैब के साथ मेडिकल हब और डेटा सेंटर होंगे जल्द तैयार

हमारा समाचार @ जयपुर

केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय, जयपुर में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास, विश्वास और जनकल्याण के विभिन्न आयामों पर विस्तार से जानकारी दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं, जिनका लाभ राजस्थान को भी बड़े पैमाने पर मिला है। कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय राजस्थान जैसे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य को रेलवे के लिए मात्र 682 करोड़ रुपए का बजट मिलता था, जबकि मोदी सरकार ने इसे बढ़ाकर 10,828 करोड़ कर दिया है। वर्तमान में राजस्थान में लगभग 76,000 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे के विभिन्न विकास कार्य हुए। भाजपा कार्यालय में मीडिया संवाद से पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने मोदी सरकार के 12 साल के कार्यों को रेखांकित करने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। वैष्णव ने कहा कि राजस्थान में 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है। जयपुर रेलवे स्टेशन के सेकंड एंट्री विकास कार्य, गांधी नगर जयपुर स्टेशन के पुनर्निर्माण सहित जैसलमेर, जोधपुर, अलवर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, आबू रोड, पाली मारवाड़, जालोर तथा अन्य छोटे-बड़े स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। इन स्टेशनों के विकास में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, स्थापत्य कला और स्थानीय पहचान को विशेष महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद राजस्थान को 46 नई रेलगाड़ियां प्रदान की गई हैं।

इनमें जोधपुर-दिल्ली, जोधपुर-पुणे, जैसलमेर-दिल्ली, बीकानेर-दिल्ली सहित कई महत्वपूर्ण रेल सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने घोषणा की कि अजमेर-जयपुर-दरभंगा रेल सेवा को आज से नियमित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त जयपुर-अजमेर सहित विभिन्न मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनों का संचालन भी शुरू किया गया है।

अवैध सैंड स्टोन पर गोटन पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हमारा समाचार @ गोटन

नागौर पुलिस द्वारा अवैध खनन एवं खनिज परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गोटन थाना पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध सैंड स्टोन से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर श्री आशाराम चौधरी के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी मेड़ता सिटी श्री रामकरण सिंह के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी सीआई सुरेश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी एवं गश्त की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार शाम टालनपुर सीमा क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर का सोनालिका ट्रैक्टर मय ट्रॉली अवैध रूप से सैंड स्टोन का परिवहन करता हुआ पाया गया। पुलिस ने चालक से वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए खनिज विभाग गोटन को सूचित किया।

ग्राम विकास अधिकारी निलंबन पर रोक, जवाब तलब

हमारा समाचार @ टोंक

ग्राम विकास अधिकारी डांगरथल के निलंबन मामले में मांगा जवाब,निलंबन पर लगाई रोक

टोंक ।राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण ने गुरुवार को टोंक ज़िलें के डांगरथल के ग्राम विकास अधिकारी के निलंबन पर रोक लगाते हुए राज्य के प्रमुख पंचायती राज सचिव, टोंक कलेक्टर, टोंक जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा पंचायत समिति निवाई के विकास अधिकारी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह मे जवाब तलब किया हैं । न्यायिक सदस्य पूनम दरगन व सदस्य प्रकाश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह आदेश निवाई पंचायत समिति के डांगरथल ग्राम पंचायत की ग्राम विकास अधिकारी राजयंती बैरवा द्वारा अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिये दायर की गई अपील पर सुनवाई करते हुए दिए । अपील मे बताया गया हैं कि अतिरिक्त आयुक्त पंचायतीराज विभाग के आदेश की पालना मे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)की वरीयता सूची मे से पात्र व्यक्तियों के नाम पर्थक करने संबंधि शिकायती प्रकरण मे दोषी पाए जाने के कारण टोंक जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा 13 मई 2026 को अपिलार्थी का निलंबन कर उसका मुख्यालय टोंक जिला परिषद मे कर दिया ।

जिसे अपील मे यह कहते हुए चुनौती दी गई की जिला परिषद की स्थाई स्थापना समिति हीं पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 298 के तहत उसे निलंबित कर सकती हैं, क्योंकि उसकी नियुक्ति अधिकारी जिला परिषद हैं, ऐसे मे मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा जारी किया गया आदेश अवैधनिक व गैर कानूनी हैं। अधिकरण ने अपील की सुनवाई के बाद निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए अधिकारियो से जवाब तलब किया हैं ।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित इनस्टिट्यूट्स प्रोजेक्ट ' एस.एन. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, निर्वाण यूनिवर्सिटी, जयपुर' खसरा नं. 2761/3, 16, 61, नियर राजाधोक टोल प्लाजा, आगरा रोड, ग्राम - झार, तहसील बस्सी, जिला जयपुर, राजस्थान। जिसका कुल भूखंड क्षेत्र 1,40,000 वर्ग मीटर तथा निर्मित क्षेत्र 1,17,976.41 वर्ग मीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या RJ/25/SEAC2(06)/INFRA2/EC/1106 दिनांक 06/06/2026 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।

निर्वाण चैरिटेबल ट्रस्ट

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का 'सूरज' चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज 'अस्ताचल' होने लगता है, सियासी 'महफिल' में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ। पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी। लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है।

(संजय सक्सेना)

आज का राशिफल

मेष–आज आपके अंदर गजब की ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। मन में कुछ नया करने की प्रेरणा जागेगी और उसका असर आपके काम और बिजनेस दोनों में साफ नजर आएगा। अधूरे काम तेजी से पूरे होंगे और कारोबार में भी रफ्तार आएगी।

वृष– आज मन थोड़ा उलझा-उलझा रह सकता है। किसी काम को लेकर डर या असमंजस आपको बेचैन करेगा, लेकिन धैर्य ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। किसी की बातों में आकर जल्दबाजी में फैसला न लें।

मिथुन– आज आर्थिक स्थिति मजबूत होती नजर आएगी। आय बढ़ाने के मौके मिलेंगे और भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। ससुराल पक्ष से मुलाकात रिश्तों में मिठास लाएगी। परिवार की बातों को घर तक ही सीमित रखें, वरना छोटी बात बड़ा रूप ले सकती है।

कर्क– आज का दिन प्रगति और सहयोग से भरा रहेगा। वरिष्ठ लोगों का साथ मिलने से काम तेजी से पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास सफल रहेंगे। कोई पुराना दोस्त अचानक मिल सकता है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी।

सिंह– आज भाग्य आपका साथ देगा और अटके हुए काम आगे बढ़ते नजर आएंगे। अगर किसी काम में रुकावटें थीं, तो अब रास्ता साफ होगा। दूसरों के मामलों में ज्यादा दखल देने से बचें। किसी दूर के रिश्तेदार से थोड़ी निराशाजनक खबर मिल सकती है।

कन्या– आज आपको संतुलन और सावधानी दोनों की जरूरत होगी। संतान की संगति पर नजर रखें और वाहन चलाते समय भी पूरी सतर्कता बरतें। पुराने लेन-देन का बोझ कम होने से राहत महसूस होगी। शौक और पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन करेगा।

तुला– आज का दिन सुकून और अपनापन लेकर आएगा। जीवनसाथी का साथ आपको मानसिक मजबूती देगा और रिश्तों में प्यार बढ़ेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरने की कोशिश करेगी। छोटे बच्चों के लिए कुछ खास खरीदने का मन बनेगा।

वृश्चिक–आज का दिन मिला-जुला लेकिन प्रगति देने वाला रहेगा। विरोधियों पर आपकी पकड़ मजबूत रहेगी और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। बिजनेस से जुड़ा कोई काम आपको यात्रा पर ले जा सकता है।

धनु– आज व्यापार और करियर दोनों के लिए अच्छा दिन रहेगा। सेहत में सुधार महसूस होगा, लेकिन धन उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अपनी बात साफ-साफ रखें। घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए शुभ रहेगा।

मकर– आज सेहत के मामले में राहत मिलेगी और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सौभाग्य लेकर आएगा। रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। जिम्मेदारियों को टालने से बचें। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करें, इससे रिश्ते मजबूत होंगे।

कुंभ– आज मेहनत का फल साफ नजर आएगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी, जिससे बड़े फैसले लेने में आसानी होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

मीन– आज का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। समझदारी से किया गया निवेश अच्छा फायदा दे सकता है। बिजनेस में सफलता के संकेत हैं और रुका हुआ धन वापस मिलने से राहत मिलेगी।

बारह साल का ऑडिट: उपलब्धियां, दावे और सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे किए हैं और अब वे लगातार 12 वर्षों तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेताओं में शामिल हो गए हैं। इस अवधि ने उन्हें भारत के राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। स्वाभाविक रूप से, उनके समर्थक इस उपलब्धि को ऐतिहासिक मानते हैं और इसका उत्सव भी मनाया जा रहा है। हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल कार्यकाल की अवधि ही किसी नेता की सफलता का पैमाना नहीं होती। वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर किया जाना चाहिए कि उस दौरान देश को क्या मिला, लोकतांत्रिक संस्थाएं कितनी मजबूत हुईं, अर्थव्यवस्था की स्थिति कैसी रही और समाज में समरसता का स्तर कितना बढ़ा या घटा। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने लंबे कार्यकाल में देश को अनेक महत्वपूर्ण संस्थाएं दीं। एम्स, आईआईटी, आईआईएम, बड़े बांध, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों की स्थापना उनके समय में हुई। स्वतंत्र भारत की विदेश नीति और लोकतांत्रिक ढांचे की नींव भी उसी दौर में रखी गई। इसलिए नेहरू के योगदान का मूल्यांकन केवल वर्षों की संख्या से नहीं किया जा सकता। मोदी सरकार के समर्थकों का दावा है कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है, डिजिटल क्रांति आई है और अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है।

वहीं आलोचकों का मानना है कि इस अवधि में लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सवाल उठे हैं, सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ा है और विपक्ष तथा असहमति की आवाजों के प्रति सरकारी रवैये को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं। आलोचक यह भी कहते हैं कि बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दे अब भी गंभीर बने हुए हैं। उनका आरोप है कि जांच एजेंसियों के उपयोग, चुनावी राजनीति और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी कई प्रश्न खड़े हुए हैं। दूसरी ओर, सरकार इन आरोपों को खारिज करते हुए अपनी उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रमुखता से प्रस्तुत करती रही है।

पुलवामा, पहलगाम, कारगिल और ऑपरेशन ब्लू स्टार जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषयों को लेकर भी राजनीतिक दलों के बीच अलग-अलग दृष्टिकोण रहे हैं। ऐसे मुद्दों पर इतिहास, सुरक्षा और राजनीति के बीच संतुलित चर्चा आवश्यक है, क्योंकि इन घटनाओं में देश के अनेक सैनिकों और नागरिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। किसी भी सरकार के 12 वर्षों का मूल्यांकन भावनाओं या राजनीतिक निष्ठा के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों और परिणामों के आधार पर होना चाहिए। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर अपने नेताओं और सरकारों का आकलन करती है। इसलिए मोदी सरकार के 12 वर्षों का भी निष्पक्ष ऑडिट होना चाहिए– जहां उपलब्धियों को स्वीकार किया जाए और कमियों पर भी ईमानदारी से चर्चा हो।

आखिरकार, किसी भी प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी विरासत उसके कार्यकाल की अवधि नहीं, बल्कि वह प्रभाव होता है जो वह देश की संस्थाओं, अर्थव्यवस्था, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर छोड़कर जाता है। यही कसौटी इतिहास में किसी भी नेता का वास्तविक मूल्यांकन तय करती है।

जंग के दौरान खेल: फीफा विश्व कप 2026

अमेरिका फीफा विश्व कप का नाम खराब कर रहा है

किसी भी खेल का सबसे बड़ा आयोजन अपनी शोहरत पर फीफा विश्व कप जैसा खरा नहीं उतरा है। गुरुवार को शुरू हो रहा साल 2026 का संस्करण इसका सबूत पेश करता है। कुल 48 टीमों और 104 मैचों के साथ यह अब तक का सबसे बड़ा संस्करण है। मोटे तौर पर हर चार फीफा राष्ट्र में से एक के क्वालीफाई करने और सात महाद्वीपों में से छह की नुमाइंदगी के साथ यह फिलहाल सर्वाधिक समावेशी भी है। ओशिनिया से उत्तर अमेरिका तक, इसने पूरी दुनिया को अपनी आगोश में ले लिया है। यह भी पहली बार है कि हर चार साल पर होने वाले इस शानदार आयोजन की मेजबानी तीन देश कर रहे हैं - अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको। लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और नेमार जैसे बड़े खिलाड़ी पहुंच चुके हैं और लिहाजा कार्लो एंसेलोटी और थॉमस टुशेल जैसे कोच भी। मेसी साल 2022 में अर्जेंटीना का ट्रॉफी जीतने वाला कारनामा दोहराना चाहेंगे, जबकि रोनाल्डो पुर्तगाल की पहली ट्रॉफी के लिए कोशिश करेंगे। नेमार, जिनके खाते में अभी तक यह प्रतिष्ठित कप नहीं है, पर भारी बोझ है, क्योंकि वह पेले की भूमि और पांच बार के चैंपियन ब्राजील से आते हैं। किलियन एम्बाप्पे का फ्रांस, जो साल 2018 में खिताब विजेता था और साल 2022 में उप-विजेता, अब भी मजबूत है। अपने दल में बेहतरीन नौजवान खिलाड़ी लामीन यमाल के साथ स्पेन एक प्रबल दावेदार है, और उससे थोड़ा कम जर्मनी और इंग्लैंड भी। लेकिन चार बार का विजेता इटली गैरहाजिर है – और ऐसा लगातार तीसरी बार हुआ है, जिस पर यकीन करना मुश्किल है। विश्व कप मैदान से परे भी अपनी भूमिका निभाता है – जैसे मतभेदों को कम करना, विभिन्न आबादियों को एकजुट करना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। लेकिन आयोजन की नवीनतम किस्त इसमें बुरी तरह लड़खड़ा गयी है। सोमवार को सामने आया कि अमेरिका ने सोमालियाई रेफरी ओमर आर्तन को प्रवेश देने से मना कर दिया। वह साल 2025 में अफ्रीका से पुरुष वर्ग के सर्वश्रेष्ठ रेफरी थे और शासी निकाय फीफा द्वारा चुने गए 52 रेफरियों में से एक थे। पत्रकारों को वीजा देने से इनकार किये जाने और टीम सदस्यों से इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा सवाल-जवाब किये जाने की विश्वसनीय खबरें हैं। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटनाचक्र में, अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य गतिरोध ने इस पश्चिम एशियाई देश को मेक्सिको में डेरा डालने और अपने ग्रुप-स्टेज मैचों के लिए सिएटल (2,000 किलोमीटर से ज्यादा दूर) व लॉस एंजिल्स की यात्रा करने पर मजबूर किया है। यह न सिर्फ इंतजामात के लिहाज से एक दुःस्वप्न है, बल्कि खेल के उस बुनियादी उसूल का निरादर है जो सभी टीमों के लिए बराबरी के मैदान की बात करता है। टिकट की ज्यादा कीमतों, सीमित सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं और भारी वीजा शुल्क से भी फुटबॉल-प्रेमी खिन्न हैं। बहुत ज्यादा यात्राओं वाली यह प्रतिस्पर्धा वैश्विक ईंधन आपूर्ति में व्यवधान और ऊर्जा की कीमतों में तेज उछाल के बीच हो रही है, इससे कोई अनजान नहीं है। जैसे ही भव्य एस्तादियो अज़्तेका में मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका गेंद को लुढ़कायेंगे ये चिंताएं काफूर हो जायेंगी। हालांकि, ज्यादा समावेशी भविष्य का खाका तैयार करने के लिए चिंतन-मनन करना और सीखना जरूरी है।

जब भारत ने सैन्य विमान निर्माण में रचा नया इतिहास

भारत ने रक्षा और विमानन क्षेत्र में एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जिसे आने वाले वर्षों में देश की औद्योगिक और सामरिक प्रगति के महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। गुजरात के वडोदरा स्थित टाटा और एयरबस की अंतिम संयोजन इकाई में निर्मित पहले सी-295 सैन्य परिवहन विमान ने सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर ली है। यह केवल एक विमान की उड़ान नहीं थी, बल्कि उस विश्वास, क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता की उड़ान थी, जिसकी कल्पना भारत लंबे समय से करता रहा है। इस उपलब्धि ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि वह उन्नत रक्षा प्रणालियों और सैन्य विमानों के निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सी-295 कार्यक्रम भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने वाली सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गिना जा रहा है। भारतीय वायुसेना के लिए कुल 56 सी-295 विमानों की खरीद का निर्णय लिया गया था। इस व्यवस्था के अंतर्गत 16 विमान सीधे स्पेन से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि शेष 40 विमानों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। यही वह पहल है जिसने देश में सैन्य विमान निर्माण के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की है। इन 40 विमानों का निर्माण वडोदरा में स्थापित उत्पादन परिसर में किया जाएगा, जहां भारतीय इंजीनियर, तकनीशियन और विशेषज्ञ वैश्विक स्तर की प्रौद्योगिकी के साथ काम कर रहे हैं। पहले भारत निर्मित सी-295 विमान की सफल परीक्षण उड़ान ने इस परियोजना की व्यवहारिक सफलता को प्रमाणित कर दिया है। यह उड़ान उत्पादन के बाद होने वाली परीक्षण प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण थी। किसी भी सैन्य विमान को सेवा में शामिल करने से पहले उसकी विभिन्न प्रणालियों, उड़ान क्षमता, नियंत्रण व्यवस्था, सुरक्षा तंत्र और प्रदर्शन का कठोर परीक्षण किया जाता है। पहली सफल उड़ान यह दर्शाती है कि विमान निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार हुआ है और आगे की परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए सक्षम है। भारत में निर्मित पहला सी-295 विमान मई 2026 में पूरी तरह तैयार हुआ था। इसके बाद जून 2026 में उड़ान परीक्षणों का दौर प्रारंभ हुआ। इस सफल परीक्षण के बाद उम्मीद की जा रही है कि भारत में निर्मित पहला विमान इसी वर्ष भारतीय वायुसेना को सौंप दिया जाएगा। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय विनिर्माण क्षमता के लिए भी गर्व का विषय है। सी-295 एक मध्यम श्रेणी का सामरिक परिवहन विमान है, जिसे अनेक प्रकार के सैन्य अभियानों के लिए विकसित किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुउद्देश्यीय उपयोगिता है। यह विमान एक बार में 71 सैनिकों या लगभग 50 पैराट्रूपरों को ले जाने में सक्षम है। इसके अलावा इसका उपयोग रसद आपूर्ति, चिकित्सा निकासी, आपदा राहत, विशेष सैन्य अभियानों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में त्वरित तैनाती जैसे कार्यों के लिए भी किया जा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश के लिए ऐसे विमान का महत्व और भी बढ़ जाता है। हिमालयी क्षेत्रों से लेकर रेगिस्तानी इलाकों तथा समुद्री सीमाओं तक, भारतीय सशस्त्र बलों को विभिन्न परिस्थितियों में त्वरित परिवहन क्षमता की आवश्यकता होती है। सी-295 को इसी उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। यह छोटी और अपेक्षाकृत कम विकसित हवाई पट्टियों से भी उड़ान भर सकता है और उतर सकता है। इसकी यह क्षमता उन क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है जहां सामान्य बड़े विमान संचालन नहीं कर सकते। इस विमान की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकता है। यह अस्थायी अथवा अर्धविकसित रनवे पर भी संचालन करने में सक्षम है। पूर्ण अंधकार की स्थिति में भी इसकी संचालन क्षमता इसे आधुनिक सैन्य आवश्यकताओं के अनुरूप बनाती है। युद्धकालीन परिस्थितियों में ऐसी क्षमताएं अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं क्योंकि सैन्य अभियानों में अक्सर सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है। सी-295 कार्यक्रम केवल विमान निर्माण तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से भारत में एक व्यापक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित हो रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत हजारों पुर्जों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। अनेक भारतीय कंपनियां इस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनी हैं। इससे देश में उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षमता का विकास हो रहा है और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम के अंतर्गत 13000 से अधिक पुर्जों का निर्माण भारत में किया जा रहा है तथा दर्जनों भारतीय आपूर्तिकर्ताओं को उत्पादन प्रक्रिया में शामिल किया गया है।

(महेन्द्र तिवारी)

विचार: पूंजी बाजार में भरोसे का संकट

भारत का पूंजी बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। डीमैट खातों की संख्या लगातार बढ़ रही है, छोटे शहरों और कस्बों से नए निवेशक शेयर बाजार में आ रहे हैं और एसआइपी-म्यूचुअल फंड ने आम परिवारों को इक्विटी निवेश से जोड़ दिया है। ऐसे समय में राजेश एक्सपोर्ट्स से जुड़ा हालिया मामला केवल एक कंपनी का विवाद नहीं, बल्कि भारत में कारपोरेट गवर्नेंस, आडिट गुणवत्ता, नियामकीय सतर्कता और छोटे निवेशकों के भरोसे की गंभीर परीक्षा है। सेबी के अंतरिम आदेश में राजेश एक्सपोर्ट्स पर बड़े पैमाने पर राजस्व के गलत प्रस्तुतीकरण का आरोप लगाया गया है। वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व को गलत ढंग से प्रस्तुत करने की बात कही गई है। यह आंकड़ा इतना बड़ा है कि इसे सामान्य लेखा-त्रुटि नहीं कहा जा सकता। हालांकि कंपनी ने इन आरोपों को अस्वीकार करते हुए कहा कि यह मामला उसकी स्विस सहायक कंपनी के राजस्व को समझने और प्रस्तुत करने से जुड़े भ्रम का परिणाम है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही निकाला जाना चाहिए। फिर भी, यदि किसी सूचीबद्ध कंपनी के राजस्व आंकड़ों और नियामक की समझ में इतना बड़ा अंतर है तो यह पूरे बाजार ढांचे के लिए चेतावनी है। राजेश एक्सपोर्ट्स स्वर्ण शोधन, आभूषण निर्माण और निर्यात से जुड़ी बड़ी कंपनी है। जब किसी भारतीय सूचीबद्ध कंपनी की आय

का बड़ा हिस्सा विदेशी सहायक कंपनियों और सीमा-पार लेखांकन पर आधारित हो तो उसके प्रकटीकरण की जिम्मेदारी सामान्य कंपनियों से कहीं अधिक बढ़ जाती है। निवेशकों को यह जानने का अधिकार है कि राजस्व किस इकाई से आया, किन ग्राहकों से आया, नकदी में उसका रूपांतरण कैसा रहा, देय राशियां कितनी वास्तविक हैं और सहायक कंपनियों के खातों का स्वतंत्र सत्यापन किस स्तर पर हुआ। यदि किसी कंपनी में म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों, बैंकों या अन्य सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं की हिस्सेदारी है तो सवाल केवल कंपनी प्रबंधन पर नहीं, बल्कि इन संस्थाओं की जांच-पड़ताल पर भी उठता है। भारत में छोटे निवेशक अक्सर मान लेते हैं कि यदि किसी कंपनी में बड़ी संस्थाओं की हिस्सेदारी है तो वह कंपनी सुरक्षित होगी, लेकिन संस्थागत निवेश हमेशा सुशासन की गारंटी नहीं होता। सत्यम घोटाले ने दिखाया कि नकदी और बैंक बैलेंस जैसे आंकड़े भी काल्पनिक हो सकते हैं। आइएलएंडएफएस संकट ने अत्यधिक कर्ज, जटिल सहायक कंपनियों और क्रेडिट रेटिंग विफलता के जोखिम को सामने रखा। यस बैंक संकट ने निजी बैंकिंग गवर्नेंस और जोखिम प्रबंधन की कमजोरी दिखाई। पीएनबी-नीरव मोदी प्रकरण ने बैंकिंग व्यवस्था और लेटर आफ अंडरटेकिंग के दुरुपयोग को उजागर किया था। राजेश एक्सपोर्ट्स जैसा मामला यह संकेत देता है कि सूचीबद्ध कंपनियों में भी सीमा-पार लेनदेन और सहायक कंपनियों के लेखांकन पर निगरानी बढ़ानी होगी। भारत को अब घोटाले के बाद सुधार करने की संस्कृति से आगे बढ़कर जोखिम की पहले पहचान और रोकथाम की प्रणाली बनानी होगी। राजेश एक्सपोर्ट्स मामले में आडिट व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं।

व्यूज की अंधी दौड़ में लहूलुहान होती सामाजिक मर्यादा

गुरुग्राम के एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में 370 की बिरयानी की कीमत एक महिला की अस्मिता से लगाने वाले दर्शक का वीडियो और उस पर ताली पीटते कॉमेडियन प्रणीत मोरे का ठहाका सिर्फ एक तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी के उस गहरे नैतिक और वैचारिक पतन का दस्तावेज़ है, जो पिछले एक दशक से धीरे-धीरे हमारे समाज में पैठ बना रहा था। यह घटना साफ तौर पर रेखांकित करती है कि व्यूज, लाइक्स और वायरल क्लिप्स की अंधी दौड़ में हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर पूरी तरह समाप्त हो चुका है। जहाँ दर्शक हिमांशु जांगड़ा की नौकरी चली गई, वहीं प्रणीत मोरे को अपना सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर माफी मांगनी पड़ी। वहीं, दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर से लेकर अभिनेत्री रश्मि देसाई तक ने इस खोखली माफी को सिरे से खारिज कर दिया।

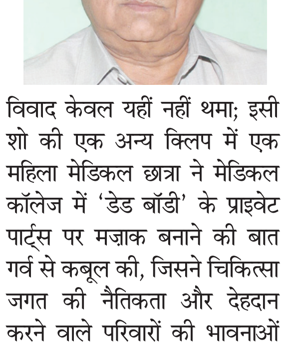

विवाद केवल यहीं नहीं थमा; इसी शो की एक अन्य क्लिप में एक महिला मेडिकल छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में 'डेड बॉडी' के प्राइवेट पार्ट्स पर मज़ाक बनाने की बात गर्व से कबूल की, जिसने चिकित्सा जगत की नैतिकता और देहदान करने वाले परिवारों की भावनाओं को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया। यह अराजकता किसी एक मंच की नहीं, बल्कि उस 'क्राउडवर्क' फॉर्मेट की देन है, जहाँ बिना स्क्रिप्ट, बिना सेंसर और बिना संपादन के केवल तात्कालिक भीड़ को हंसाने के लिए किसी भी हद तक जाने की खुली छूट ले ली गई है। भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी का इतिहास पिछले एक दशक में जितनी तेज़ी से व्यावसायिक रूप से समृद्ध हुआ है, वैचारिक और सामाजिक रूप से वह उतना ही सतही और खोखला होता गया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा एल्गोरिदम रचनात्मकता से ज्यादा 'शॉक वैल्यू' और विवाद को बढ़ावा देता है। जब कलाकार को पता होता है कि जितना तीखा, अभद्र या विवादास्पद कंटेंट होगा, रील्स और शॉर्ट्स पर उतने ही मिलियन व्यूज मिलेंगे, तो वह सामाजिक मर्यादाओं को ताक पर रख देता है। अभिनेत्री रश्मि देसाई और आयशा खान का यह सवाल बेहद मौजूं है कि जब एक महिला की गरिमा को मंच पर तार-तार किया जा रहा था, तब उस हॉल में बैठे सैकड़ों लोगों में से एक भी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं था, जो उठकर इसका विरोध करता? सामूहिक हँसी अक्सर व्यक्तिगत विवेक को सुला देती है।

(अजय कुमार)

ब्रीफ न्यूज़

देर रात लड़की से मिलने गए युवक की पीट-पीटकर हत्या

हमारा समाचार @ भरतपुर

भरतपुर में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने युवक का शव मोर्चरी में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार, युवक शुक्रवार देर रात लड़की से मिलने के लिए गया था। रात में उसे लड़की के परिजनों ने पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। घायल हालत में युवक को अस्पताल लेकर जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ शुरू की है। पुलिस के अनुसार, लड़की के परिजन घर के बरामदे में सो रहे थे। वह अचानक उठ गए और लड़के को पकड़ लिया। इसके बाद पिटाई कर दी। लड़की के परिजनों ने ही घटना की सूचना पुलिस को दी।

अवैध हथियार बरामद, कार सवार पांच बदमाश गिरफ्तार

हमारा समाचार @ कोटपूतली

कोटपूतली थाना पुलिस ने दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी के दौरान एक कार की तलाशी लेते हुए भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए और कार सवार पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। एसपी सतवीर सिंह ने एक प्रेस वार्ता में इस मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया- नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी लेने पर कार के अंदर से एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, आठ जिंदा कारतूस और एक लोहे की रॉड बरामद हुई। पुलिस ने इन हथियारों को जब्त कर लिया है और वारदात में इस्तेमाल की जा रही कार को भी अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए पांचों बदमाश हरियाणा के नांगल चौधरी इलाके से जयपुर की ओर जा रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वे रास्ते में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। कोटपूतली पुलिस की सतर्कता से उनके मंसूबे विफल हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों में से दो बदमाश बुटेरी गांव में हुई फायरिंग की घटना में भी शामिल थे। पुलिस लंबे समय से इन आरोपियों की तलाश कर रही थी।

निगम दस्ते ने दो घंटे में हटाई महज एक थड़ी

बड़े मॉल के बाहर अतिक्रमण पर नहीं की कार्रवाई

हमारा समाचार ज्च अलवर

अलवर नगर निगम की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई गुरुवार को महज 'खानापूर्ति बनकर रह गई। दो-दो जेसीबी और भारी अमला लेकर पहुंची निगम टीम ने दो घंटे की मशक्कत के बाद एक थड़ी को तोड़ा। साथ ही दो जगह फुटपाथ तोड़ा, लेकिन बड़े अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं की। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निगम दस्ते ने एक अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर खड़ी दीवार पर कार्रवाई नहीं की। एक बार अधिकारियों ने तोड़ने की बात कही, लेकिन तुरंत आगे निकल गए। वहीं बड़े मॉल के आगे भी अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं की। वहां पूरे फुटपाथ के आगे कार पार्किंग थी। ऐसे ही निजी बड़े अस्पतालों के बाहर हाल है, लेकिन वहां भी निगम दस्ते ने कार्रवाई नहीं की।

हाईकोर्ट ने फ्रीज बैंक-खाते को पुनः चालू करने के दिए आदेश

एटीएम चालू करने के निर्देश

हमारा समाचार ज्च झुंझुनूं

राजस्थान उच्च न्यायालय ने बैंक खातों को फ्रीज करने के मामलों में एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साइबर अपराध के संदेह में पूरी तरह फ्रीज किए गए एक बैंक खाते को फिर से चालू करने के आदेश दिए है। न्यायाधीश मनीष शर्मा की अदालत ने निर्देश दिए कि खाते में मौजूद केवल विवादित राशि को छोड़कर, बाकी बचे पैसों के लेनदेन और एटीएम को तुरंत शुरू किया जाए। जानकारी के अनुसार, झुंझुनूं जिले के बड़लवास निवासी जयदीप का पिपराली रोड, सीकर और झुंझुनूं स्थित एसबीआई बैंक में एक खाता था। इस खाते में देश के अलग-अलग हिस्सों से करीब 13 लाख रुपए आए थे। पुलिस को संदेह था कि यह पैसा साइबर अपराध से जुड़ा हुआ है। इसी आधार पर पुलिस की कार्रवाई के बाद बैंक ने जयदीप के खाते को पूर्णतः बंद (फ्रीज) कर दिया था।

करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं दादूदयाल महाराज और भैराणा धाम

भैराणा धाम विवाद पर बोले उपमुख्यमंत्री बैरवा- समाधान निकालने के लिए सरकार तैयार

हमारा समाचार @ भरतपुर

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा गुरुवार को भरतपुर पहुंचे। इस दौरान कहा-भैराणा धाम रीको भूमि विवाद पर सरकार तैयार है। हम सभी संत-महात्माओं के साथ हैं। सरकार और संत बैठकर उस समस्या का समाधान करेंगे। जब सारा काम हो गया, सड़कें बन गईं, तब साधु-संतों ने समाधियों के बारे में बताया। उस समस्या के बाद वह राजनीतिक अखाड़ा बन चुका था।

बैरवा ने कहा कि दादूदयाल महाराज और भैराणा धाम करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं और सरकार भी इस आस्था से जुड़ी हुई है। रीको का कार्य भी पहले ही शुरू हो चुका था। रीको का काम चलता रहा और सड़कें भी बन गईं। इसके बाद साधु-संतों ने वहां स्थित समाधियों से जुड़े मुद्दे सरकार के सामने रखे।

बैरवा ने कहा कि वह खुद भैराणा धाम गए थे, जहां संतों ने उन्हें पूरी समस्या से अवगत कराया। संतों द्वारा समस्या बताने के बाद सरकार उसके समाधान के लिए तैयार थी, लेकिन तब तक यह मामला राजनीतिक रूप ले चुका था। सरकार सभी संत-महात्माओं के साथ खड़ी है और किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचने दी जाएगी। सरकार और संत-महात्मा आपसी सहमति से बैठकर इस विवाद का स्थायी समाधान निकालेंगे। सरकार का उद्देश्य विवाद बढ़ाना नहीं, बल्कि संवाद के जरिए सभी पक्षों को साथ लेकर समाधान तक पहुंचना है।

रोडवेज को मिली 900 नई बसें, 300 इलेक्ट्रिक बसों का टेंडर

बैरवा ने कहा कि पिछली सरकार के पांच साल के कार्यकाल में एक भी नई रोडवेज बस नहीं खरीदी गई थी। वर्तमान सरकार ने करीब 900 नई बसें खरीदी हैं और 300 नई इलेक्ट्रिक बसों का टेंडर भी जारी हो चुका है। इन बसों में पैनिक बटन सहित यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

प्रदेश में 9 हाईटेक बस स्टैंड बनेंगे, भरतपुर भी सूची में

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के 9 जर्जर बस स्टैंडों को आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। इसके तहत नए और हाईटेक बस स्टैंड बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भरतपुर में भी नए बस स्टैंड के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही इस दिशा में काम आगे बढ़ेगा।

पूर्व सभापति ने उतारा शर्ट, सर्किट हाउस के गेट पर चिपकाया ज्ञापन, चूड़ियां रखीं

मंत्री खर्रा से मिलने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की

हमारा समाचार @ पाली

पाली सर्किट हाउस में गुरुवार को प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा से मिलने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। मंत्री से मिलने और सर्किट हाउस परिसर में एंट्री नहीं मिलने पर कांग्रेसियों ने जमकर हंगामा किया। विरोध जताने के लिए पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़ ने अपनी शर्ट उतार दी, जबकि कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित ने काली शर्ट हवा में लहराकर प्रदर्शन किया। मंत्री और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता करीब तीन घंटे तक सर्किट हाउस के बाहर डटे रहे। बाद में उन्होंने मंत्री के नाम का ज्ञापन सर्किट हाउस के गेट और दीवार पर चस्पा कर दिया। वहीं विरोध में चूड़ियां लेकर पहुंची महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गेट पर ही चूड़ियां दी। पाली जिले के प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा गुरुवार को पाली पहुंचे, जहां उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों की बैठक ली। इसी दौरान सुबह करीब 11 बजे शहर की सीवरेज समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी सर्किट हाउस पहुंचे। उनका उद्देश्य प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंपना था।

पुलिस ने पांच लोगों को ही प्रवेश की अनुमति दी: जब कांग्रेसी सर्किट हाउस में एंट्री कर मंत्री से मिलने के लिए आगे बढ़े तो वहां सीओ सिटी मदनसिंह के नेतृत्व में तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने केवल चार-पांच प्रतिनिधियों को ही अंदर जाने की अनुमति देने की बात कही। इस पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित ने कहा कि बाहर तेज गर्मी है और छांव की व्यवस्था नहीं है, इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को कम से कम सर्किट हाउस के गार्डन में बैठने दिया जाए, जबकि चार-पांच लोग मंत्री को ज्ञापन सौंप देंगे।

समझाइश नाकाम, सड़क पर बैठकर शुरू किया प्रदर्शन: कांग्रेसियों की मांग पर एडीएम बजरंगसिंह, एसडीएम विमलेंद्रसिंह राणावत और सीओ सिटी मदनसिंह ने समझाइश करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। पुलिस अपने निर्णय पर अड़ी रही और कांग्रेस नेता भी अपनी मांग से पीछे नहीं हटे। इसके बाद नाराज कांग्रेसी सर्किट हाउस के बाहर सड़क पर ही तेज धूप में धरने पर बैठ गए और भाजपा सरकार तथा प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

जबरन घुसने की कोशिश पर पुलिस से धक्का-मुक्की, महिलाओं ने रखीं चूड़ियां: विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्किट हाउस में जबरन घुसने का भी प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेसियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। महिला कांग्रेस कार्यकर्ता अपने साथ चूड़ियां भी लेकर पहुंची थीं, जिन्हें उन्होंने विरोध करते हुए वहीं रख दिया। करीब दो से तीन घंटे तक सर्किट हाउस के बाहर हंगामा और प्रदर्शन चलता रहा।

शर्ट और बनियान लहराकर जताया विरोध

प्रदर्शन के दौरान विरोध का अनोखा तरीका भी देखने को मिला। पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़ ने अपनी पहनी हुई काली शर्ट उतार दी। वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित एक कार्यकर्ता के कंधे पर बैठ गए और काली शर्ट लहराकर विरोध जताया। एक अन्य कार्यकर्ता ने भी अपनी काली बनियान उतारकर हवा में लहराई और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

मंत्री के नाम दीवार पर चस्पा किया ज्ञापन

बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री झाबरसिंह खर्रा के नाम का ज्ञापन सर्किट हाउस की दीवार पर ही चस्पा कर दिया और वहां से रवाना हो गए। मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित ने आरोप लगाया कि उन्हें मंत्री से मिलने नहीं दिया गया, जबकि वे धूप से बचने के लिए केवल गार्डन में बैठना चाहते थे। मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा कि पांच प्रतिनिधियों को ज्ञापन देने के लिए अंदर बुलाया था। पुलिस और कांग्रेसियों के बीच क्या हुआ, इसकी जानकारी नहीं है।

50 लाख की चोरी पर बोले- जल्द पकड़े जाएंगे आरोपी

नवनियुक्त एसपी डॉ. प्यारे लाल ने नावा थाने का किया निरीक्षण

हमारा समाचार @ डीडवाना-कुचामन

डीडवाना-कुचामन जिले के नवनियुक्त एसपी डॉ. प्यारे लाल शिवरान गुरुवार को नावा दौरे पर रहे। पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार नावा थाने पहुंचे थे। एसपी शिवरान को पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। स्टाफ ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। एसपी ने एडिशनल एसपी, सीओ, सीआई और पुलिस कर्मियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने, थाने आने वाले परिवादियों को सहजता से न्याय दिलाने और आमजन के साथ अच्छा बर्ताव करने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा- पुलिसकर्मी अपराधियों में भय, आमजन में विश्वास के स्लोगन को चरितार्थ करते हुए काम करें। इसके साथ ही उन्होंने लंबे समय से पेंडिंग चल रहे मामलों का जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए।

नावा में पिछले 53 दिनों से एसडीएम कार्यालय के बाहर जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है। इस मामले पर जवाब देते हुए एसपी शिवरान ने कहा- पुलिस का अनुसंधान लगातार जारी है और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया- इस केस की फाइल अभी डीडवाना-कुचामन जिले में नहीं है, बल्कि जांच के लिए दूसरे जिले में भेजी गई है, जिस पर पुलिस टीम काम कर रही है।

अवैध कारोबार और नशे पर कड़ा एक्शन

जब एसपी से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध बजरी, मुरड और गीली लकड़ी के परिवहन को लेकर सवाल पूछे गए तो उन्होंने कहा- इसके लिए पुलिस की एक स्पेशल टीम बनाई जाएगी। यह टीम माइनिंग और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर जल्द ही बड़ कार्रवाई करेगी।शहर में बढ़ते नशे के कारोबार को रोकने के लिए उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने और संदिग्धों पर नजर रखने की बात कही। वहीं, पिछले दिनों शहर में हुई 50 लाख की बड़ी चोरी के मामले में उन्होंने कहा- फाइल देखकर जल्द ही आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

खाटूश्यामजी एसएचओ को सस्पेंड करने की मांग, सीकर और खाटू बंद की चेतावनी

हमारा समाचार @ सीकर

सीकर की धार्मिक नगरी खाटूश्यामजी में 26 मई को युवक करण कुमावत पर हुए हमले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आज जिले के कलक्ट्रेट परिसर के बाहर चौथे दिन भी धरना जारी रहा। सर्व समाज के लोगों ने सीकर के जाट बाजार से कलेक्ट्रेट तक आक्रोश रैली निकाली।

इसके बाद उन्होंने एसपी कार्यालय की तरफ घुसने की कोशिश की, लेकिन गेट पर ही मौजूद पुलिस ने उन्हें रोक लिया। लोगों का कहना है कि घटना को करीब दो सप्ताह से ज्यादा का समय बीत चुका है। लेकिन पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही।

ऐसे में आज आरोपियों को गिरफ्तार करने और खाटूश्यामजी एसएचओ पवन कुमार चौबे को सस्पेंड करने की मांग को लेकर आक्रोश रैली निकाली गई। संघर्ष समिति से जुड़े शिवभगवान ने कहा कि 26 मई की रात को घटना हुई थी। गेस्ट हाउस में गेस्ट ले जाने की बात पर कर्मचारी करण कुमावत पर जानलेवा हमला किया गया था।

घटना के बाद से ही वह सीकर के एसके अस्पताल में एडमिट है। अब तक उसके 5 से 7 ऑपरेशन हो चुके हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर हमारे द्वारा पहले एसपी को ज्ञापन दिया गया। इसके बाद 1 जून को 3 घंटे तक खाटूश्यामजी पुलिस थाने का सांकेतिक घेराव भी किया गया था।

तब पवन कुमार चौबे ने आश्वासन दिया था कि 3 दिन में आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। लेकिन उन्होंने कोई गिरफ्तारी नहीं की। ऐसे में 4 दिन पहले सीकर कलक्ट्रेट परिसर के बाहर धरना शुरू किया गया था। आक्रोश रैली निकालकर पुलिस को चेतावनी दी गई है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। वरना सीकर और खाटू को बंद करवाया जाएगा।

बोले- शिकायत के बावजूद भी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

महिला के साथ दोबारा मारपीट पर भड़के ग्रामीण, थाने के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

हमारा समाचार @ अलवर

माचड़ी गांव के आरोपी, नामजद शिकायत दर्ज

पीड़िता के परिजनों ने बताया कि हमलावरों में से कुछ लोगों की पहचान कर ली गई है, जो पास के ही माचड़ी गांव के रहने वाले हैं। परिजनों ने दोबारा 10 जून को थाने में इब्बा, इंसाफ, कालू, सुभान सहित अन्य लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है।

जिले के अकबरपुर थाने में शिकायत के बाद महिला के साथ फिर से बदमाशों ने मारपीट की, जिसके बाद गांव के लोगों ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। महिला ने आरोप लगाया कि पहली बार मारपीट करने पर पुलिस को शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बदमाशों ने दोबारा मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार ने ग्रामीणों के साथ अकबरपुर थाना प्रभारी को लिखित में शिकायत देकर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को उचित कानूनी कार्रवाई और नामजद आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। पुलिस के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने करीब 1 बजे विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चारा लेने गई थी महिला, चोरी रुकवाने पर भड़के बदमाश:

सरपंच प्रतिनिधि भविंद्र पटेल ने बताया कि पीड़िता इंदिरा देवी(50) पति रामपाल निवासी उमैरण गांव 9 जून को अपने खेत पर चारा लेने गई थी। वहां उसने देखा कि कुछ लोग मोटर का बिजली का तार काट रहे थे। इस दौरान उसने चोरी का विरोध किया और चिल्लाने लगी तो बदमाशों ने गुस्से में आकर उसके साथ गाली-गलौज की। बदमाशों ने महिला के साथ जमकर मारपीट की। जिसके बाद महिला अपने घर पहुंची, जहां परिजनों को पूरा घटनाक्रम बताया, इसके बाद महिला ने उसी दिन 9 जून को परिजनों के साथ थाने पहुंचकर पुलिस में शिकायत दी। पटेल ने बताया कि फिर दूसरे दिन 10 जून को जब महिला अपने खेत पर गई तो बदमाशों ने दोबारा महिला के साथ जमकर मारपीट कर दी।

हमले में महिला को गंभीर चोटें आईं। आरोपी मारपीट के बाद महिला को मरणासन्न हालात में खेत में छोड़कर मौके से भाग गए। परिजनों को पता चला तो आनन फानन में उन्होंने महिला को अकबरपुर अस्पताल में भर्ती कराया।

मेड़ता सिटी-नागौर रोड पर हुआ हादसा

पिकअप में घुसी बुटाटी जा रहे श्रद्धालुओं की कार, 7 घायल

हमारा समाचार @ नागौर

नागौर के मेड़ता सिटी-नागौर रोड पर रेण के पास गुरुवार को मानकियावास से बुटाटी धाम दर्शन करने जा रही महिलाओं से भरी कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसा अर्टिगा कार और पिकअप के बीच हुआ। कार में सवार 6 महिलाएं और एक 7 साल का बच्चा घायल हो गए। जिनमें से दो महिलाओं की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर वहां से भाग गया। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। सभी लोग मानकियावास से बुटाटी धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तुरंत मेड़ता सिटी अस्पताल पहुंचाया।

मेड़ता रोड़ थानाधिकारी दयानन्द शर्मा ने बताया- एर्टिगा कार और पिकअप के बीच रेण बाईपास के पास हादसे की सूचना रेण चौकी को मिली थी। सूचना के तुरंत बाद रेण चौकी इंचार्ज तुरंत मौ$के पर पहुंच गए थे। मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया है। हादसे में 7 लोग घायल हुए। जिनको मेड़ता सिटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाइवे से हटाया गया है। पिकअप ड्राइवर की तलाश की जा रही है। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू और बीसीएमओ डॉ. महेंद्र तुरंत अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों की कुशलक्षेम जानी और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

गहलोत-पायलट के बीच चल रही जुबानी जंग पर साधा निशाना, बेनीवाल के बयान पर हंसकर कसा तंज

कांग्रेस में अंदरखाने चल रही जंग, जल्द होगा बड़ा विस्फोटः पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

हमारा समाचार @ उदयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रही जुबानी जंग पर बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी ने निशाना साधा। सीपी जोशी ने कहा- कांग्रेस के अंदरखाने बहुत बड़ी जंग चल रही है, जिसे आप सब लोग अभी देख ही रहे हैं। आने वाले समय में कांग्रेस में बहुत बड़ी टूट होने वाली है। यह तो अभी बहुत छोटी बात है, आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा विस्फोट होगा।

सांसद जोशी ने कहा कि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है, इसलिए मुझे इस पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन कांग्रेस में कहीं न कहीं अंदरूनी तौर पर बहुत बड़ा घमासान चल रहा है। उन्होंने पुराने वाकये को याद करते हुए कहा कि माना कि उस समय सचिन पायलट मानेसर गए थे, लेकिन अशोक गहलोत ने भी उनके लिए 'निकम्मा और 'नकारा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। जिस प्रकार की बातें उस समय की गईं, उसे देखकर साफ है कि आने वाले समय में कांग्रेस में एक बड़ी टूट होने वाली है।

सांसद सीपी जोशी ने उदयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल पर बात करते हुए सरकार की ओर से करवाए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को गिना रहे थे। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ऐतिहासिक काम किए है, जो बरसो तक कोई सोच भी नहीं सोच सकता है। उन्होंने धारा 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र भी किया।

सख्त कानूनों के बाद धर्मांतरण के मामलों में आई भारी कमी: सीपी जोशी उदयपुर में जबरन धर्मांतरण के मुद्दे पर बोलते हुए सांसद सीपी जोशी ने कहा, 'करीब 12 साल पहले लोगों के सामने ऐसी स्थितियां आती होंगी। लेकिन आज देश और प्रदेश में सख्त कानून बनने और पाबंदियां लागू होने के बाद, ऐसे मामले अब न के बराबर रह गए हैं। इसके बाद भी यदि कहीं से ऐसी शिकायत आती है, तो शासन-प्रशासन मिलकर दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करेगा।'

हनुमान बेनीवाल के बयान पर मुस्कुरात हुए ली चुटकी

आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल द्वारा राजस्थान के मंत्रियों को भ्रष्ट बताए जाने के बयान पर सांसद जोशी हंस पड़े। उन्होंने मुस्कुराते हुए चुटकी ली और कहा- वे कब, किसके लिए क्या बोल दें... यह बात मुझसे ज्यादा आप मीडिया वाले बेहतर समझते हैं। इस प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ और सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, एक की मौत

हमारा समाचार @ उदयपुर

उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे-48 पर गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना परसाद थाना क्षेत्र के पारेई बस स्टेण्ड के पास की है। जब तेज रफ्तार कार ने बाइक को सामने से टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक टकराते हुए बोनट पर जा अटकी। जिससे कार का बोनट बुरी तरह पिचक गया और कांच टूट गया। वहीं, बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल हो गया। घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों की मददद से घायल को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परसाद थाना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि घायल को परसाद सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया और मृतक के शव को मोर्चरी में शिफ्ट कराया। मृतक की पहचान दिनेश (40) पुत्र चौखा निवासी गोड फलां, चणावदा के रूप में हुई है। वही, अमरा (35) पुत्र कालू निवासी गोड फलां, चणावदा की हालत गंभीर है। जिसके प्राथमिक उपचार के बाद एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया। मामले में आगे जांच जारी है।

20 हजार के इनामी बदमाश गिरफ्तार

हमारा समाचार @ भीलवाड़ा

पुर थाना पुलिस ने पिछले एक साल से फरार चल रहे दो शातिर ईनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए दोनों आरोपी रात के समय धार्मिक स्थलों और मंदिरों को निशाना बनाकर सोने-चांदी के आभूषण व छत्र चोरी करने की वारदातों को अंजाम देते थे। पकड़े गए दोनों बदमाशों पर भीलवाड़ा और राजसमंद जिले के अलग-अलग थानों में कुल 20 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

एसपी सागर राणा के निर्देश पर मांडल वृताधिकारी राहुल जोशी के सुपरविजन में पुर सीआई कन्हैयालाल प्रजापत के नेतृत्व में गठित विशेष टीम टीम ने मुखबिर की सूचना पर पुर थाना क्षेत्र के देवली गांव में स्थित जरायमपेशा डेरों पर दबिश दी। पुलिस को देखकर ये दोनों भागने लगे जिन्हें घेरा डालकर पकड़ लिया। पुलिस ने चोरी ओर नकबजनी के मामले में शामिल शातिर बदमाश देवली निवासी रामेश्वरलाल पुत्र जोधा कंजर और दुर्गालाल पुत्र मनोहर कंजर को गिरफ्तार किया।

दौसा में जूनियर अकाउंटेंट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हमारा समाचार ज्च दौसा

दौसा में जूनियर अकाउंटेंट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटनाक्रम सिकराय उपकोष कार्यालय में बुधवार शाम का है। जहां युवती की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसे साथी स्टॉफ ने इलाज के लिए उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। परिजनों ने विभाग के ही अधिकारी पर प्रताड़ना व जहर देकर मारने का आरोप लगाते हुए मानपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया- कैलाई गांव निवासी मृतका के भाई मोहनलाल मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बहन शीतल (25) उपकोष कार्यालय सिकराय में जूनियर अकाउंटेंट के पद पर पोस्टेड थी। शीतल की तबीयत खराब होने पर उसे गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाना इंचार्ज सतीश कुमार ने बताया- गुरुवार सुबह घटनाक्रम की सूचना मिलने पर जयपुर एसएमएस अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली। जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद डेड बॉडी परिजनों को सुपुर्द कर दी गई है।

अवैध बजरी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

हमारा समाचार ज्च बारां

बारां जिले में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने बजरी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं। वाहन ड्राइवर बजरी परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल जांगिड़ और पुलिस उपाधीक्षक हरिराम सोनी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। सदर थाना प्रभारी नवल किशोर मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। गश्त के दौरान ग्राम माथना से कोयला की ओर आ रही दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को आम रोड पर रोका गया। जांच में दोनों ट्रॉलियों में बजरी भरी पाई गई। एक ट्रैक्टर ड्राइवर ने अपना नाम महावीर मीणा निवासी कलमंडा बताया, जबकि दूसरे ड्राइवर ने रोहित मीणा निवासी रामपुरिया हाल कोटड़ी सुंडा बताया। पुलिस द्वारा बजरी परिवहन का रवन्ना मांगने पर दोनों ड्राइवर कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। वैध दस्तावेजों के अभाव में पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर लिया।

मंत्री पटेल बोले- केवल 150 लोग पहुंचे, कांग्रेस पीछे से राजनीति करती है

पीने के पानी को लेकर लोगों का प्रदर्शन, कलक्ट्रेट पर फोड़ी मटकियां

हमारा समाचार @ जोधपुर

लूणी इलाके में पानी की समस्या को लेकर आए ग्रामीणों ने गुरुवार को कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में पिपरली, करनियाली, रोहिचा कलां, रोहिचा खुर्द, रेंदड़ी, भाकरी, भाचरना, दुधिया, बड़ली, चौखा, गुलासनी समेत करीब 15 से ज्यादा गांवों से लोग पहुंचे। ग्रामीणों ने मटकियां फोड़ी और नारेबाजी की। इसके बाद कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वहीं लूणी से विधायक और केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रदर्शन में केवल 150 लोग ही शामिल हुए।

150 गांवों में पानी की समस्या को लेकर सौंपा था ज्ञापन

ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे गौतम सिंह ने कहा कि महीनों से पानी की समस्या है। 25 मई को 150 गांवों में पानी की समस्या को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया था। आजादी के इतने समय बाद भी ये लोग इतनी दूर आकर पानी मांग रहे हैं। दिल्ली, मुंबई में कोई देख रहा होगा तो वह हंस रहा होगा कि आजादी के इतने समय बाद भी राजस्थान के लोग पानी के लिए विरोध दर्ज करवा रहे हैं। यह हम सभी के लिए शर्म की बात है। जोधपुर के नजदीक हमारा इलाका है। हमारे इलाके का ये हाल है तो दूर के इलाकों का क्या हाल होगा। पानी की कमी सरकार की कमी है। लूणी से विधायक और केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने इसे पूरी तरह कांग्रेस प्रायोजित बताते हुए कहा कि क्षेत्र में पेयजल की कोई बड़ी समस्या नहीं है और कांग्रेस के नेता पर्दे के पीछे रहकर लोगों को आगे कर राजनीति कर रहे हैं। मीडिया से बातचीत में जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रदर्शन में शामिल कुछ ग्रामीण खुद उनके पास आए और बताया कि उनके गांव में पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है लेकिन स्थानीय कांग्रेस नेताओं के कहने पर उन्हें प्रदर्शन में शामिल होना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस स्वयं सामने आकर आंदोलन करने का साहस नहीं जुटा पा रही है और लोगों को आगे कर रही है।

पटेल ने बताया कि प्रदर्शन को लेकर दावा किया गया था कि डेढ़ सौ गांवों के लोग शामिल होंगे लेकिन वास्तविकता में 150-150 लोग पहुंचे। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश लोग शहर से सटी कृषि बस्तियों और अवैध कॉलोनियों से लाए गए थे। केबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर लागू कंटिजेंसी योजना के तहत एक अप्रैल के बाद से लूणी क्षेत्र में छह हजार से अधिक टैंकर फेरों के माध्यम से पंद्रह करोड़ लीटर से अधिक पानी की आपूर्ति की जा चुकी है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासनकाल की तुलना में वर्तमान में प्रतिदिन अधिक पानी वितरित किया जा रहा है।

ये रखी मांगें

सभी प्रभावित गांवों के लिए स्थायी पेयजल परियोजना की लिखित कार्ययोजना और समय-सीमा सार्वजनिक करना। स्थायी व्यवस्था होने तक प्रत्येक प्रभावित परिवार को निशुल्क टैंकर जलापूर्ति अथवा प्रतिमाह दो हजार रुपए जल विफलता मुआवजा देना। 24 घंटे डिजिटल हेल्पलाइन और टैंकरों की जीपीएस ट्रैकिंग व्यवस्था लागू करना। तीसरे पक्ष से भौतिक सत्यापन और ऑडिट करवाना शामिल है।

अस्पताल में जबरन घुसने का प्रयास करने वालों को पुलिस ने पहले दी चेतावनी, फिर भांजी लाठियां

पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, महिलाओं से धक्का-मुक्की

हमारा समाचार @ बीकानेर

बीकानेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पीबीएम अस्पताल पहुंचे चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जबरदस्ती अस्पताल में घुसने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने पहले चेतावनी दी, फिर जमकर लाठियां भांजी। सिजेरियन डिलीवरी के बाद महिलाओं की किडनी खराब होने के मामले को लेकर गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे खींवसर पीबीएम अस्पताल पहुंचे थे। इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता-पदाधिकारी प्रदर्शन करने लगे थे। माहौल उस समय हिंसक हो उठा जब कार्यकर्ताओं ने मंत्री के विरोध में नारेबाजी करते हुए मेडिकल कॉलेज परिसर में घुसने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और धक्के देकर वहां से खदेड़ा।

इधर, मीडियाकर्मियों ने जब मंत्री से ये पूछा कि सभी महिलाओं में एक जैसे लक्षण देखें गए। इस पर चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर इस सवाल का जवाब देने के लिए सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा से कहा। बोले- आप ही बताइए कैसी हालत में आई थी, पैदल चलकर नाचती आई थी या बीमार होकर आई थी।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भंवर कूकना को पुलिस ने निशाना बनाया। पुलिसकर्मियों ने कूकना को घेर लिया, उनकी कॉलर पकड़ी और सड़क पर नीचे गिरा दिया। इसके बाद उन पर लाठियां बरसाई और हिरासत में ले लिया गया। जब महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज के मुख्य गेट को पार करने की कोशिश की, तो वहां मौजूद महिला पुलिस बल ने उन्हें बलपूर्वक रोक दिया। इस दौरान धक्का-मुक्की में कई महिला कार्यकर्ता सड़क पर गिर गईं, जिन्हें बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

दोपहर करीब 12 बजे चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर पीबीएम अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने बंद कमरे में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

अस्पताल प्रशासन का पूरा ध्यान इस वक्त श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ से आई प्रसूता प्रीति नायक पर है, जिसकी हालत अब भी बेहद नाजुक बनी हुई है। प्रीति का अब तक 13 बार डायलिसिस हो चुका है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया खुद लगातार उसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। भर्ती अन्य चार महिलाओं की स्थिति में थोड़ा सुधार बताया जा रहा है। पीड़ित प्रीति के पति कमल नायक ने बताया, मैं बस एक बार मंत्रीजी से मिलकर उन्हें अस्पताल की असल सच्चाई बताना चाहता हूं, ताकि मेरी पत्नी को और बेहतर इलाज मिल सके और उसकी जान बच जाए।

बदहाली और गुटखे की पीक को नए पेंट से छिपाया

मंत्री के दौरे की भनक लगते ही बुधवार दोपहर से ही पूरे पीबीएम अस्पताल में कमियों और गंदगी को छिपाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। अस्पताल की जिन दीवारों से पेंट उखड़ चुका था और जहां गुटखे-पान की पीक के निशान थे, उन्हें आनन-फानन में नए पेंट से ढक दिया गया। पूरे अस्पताल परिसर और गैलरी में नया रंग-रोगन किया गया। जिस पोस्ट कोविड वार्ड में पीड़ित प्रसूताएं भर्ती हैं, उसके ठीक बाहर विशेष रूप से सफाई और डेंट-पेंट का काम पूरा किया गया ताकि मंत्री को सब ठीक नजर आए।

लापरवाही को लेकर गुस्सा

पीबीएम अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने और कथित लापरवाही के कारण स्थानीय जनता और विपक्ष में भारी गुस्सा है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने गुरुवार को शहर में एक बड़ी रैली निकाली और हॉस्पिटल के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पीबीएम अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह वेंटिलेटर पर है। प्रसूताओं के साथ जो हुआ, उसने पूरे राजस्थान को झकझोर कर रख दिया है। हम इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच, दोषी डॉक्टरों, अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अस्पताल की व्यवस्थाओं में तुरंत सुधार की मांग करते हैं। इस विरोध प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, मदन गोपाल मेघवाल, जिया उर रहमान, सुमित कोचर, यशपाल गहलोत, भंवर कूकना और श्रीकिशन गोदारा सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने मीटिंग के बाद पीबीएम अस्पताल के पोस्ट कोविड आईसीयू में पीड़ित महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने इलाज को लेकर भी चर्चा की। डॉक्टर्स ने महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी।

पीओके में नागरिकों पर हो रहे अत्याचार, इस्लाम नहीं देता कत्ले आम की इजाजत

दरगाह दीवान बोले-पाकिस्तान का असली चेहरा दुनिया के आया सामने

हमारा समाचार ज्च अजमेर

सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के दीवान सैयद जैनुअल आबेदीन अली खान ने पाकिस्तान पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय नागरिकों पर अत्याचार हो रहा है। दीवान सैयद जैनुअल आबेदीन कहा कि वहां पाकिस्तानी सेना मासूम बच्चों, महिलाओं और युवाओं पर गोलियां बरसा रही है। पाक सेना आम नागरिकों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। पाकिस्तान खुद को इस्लामिक देश बताता है, लेकिन जिस तरह बर्बरता की खबरें सामने आ रही हैं, वह इस्लाम की शिक्षाओं के विपरीत है। पीओके के हालात दुनिया के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा उजागर कर रहे हैं।

उन्होंने पाकिस्तानी सेना की कार्यप्रणाली की आलोचना की और कहा कि पाकिस्तान उन देशों की तर्ज पर काम कर रहा है, जो अपनी बात मनवाने के लिए बेगुनाह लोगों पर अत्याचार करते हैं।

पाकिस्तान को अवैध कब्जा हटा लेना चाहिए

दीवान जैनुअल आबेदीन ने कहा कि यदि पीओके के लोग पाकिस्तान के साथ नहीं रहना चाहते और अलग होने की इच्छा रखते हैं, तो पाकिस्तान को वहां से अपना अवैध कब्जा हटा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया अब यह समझ चुकी है कि पीओके पर पाकिस्तान का कब्जा गैर-कानूनी है और इसे समाप्त किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी ने अपने कार्यकाल में कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिनसे पूर्ववर्ती सरकारों की कई राजनीतिक भूलों में सुधार हुआ है।

एसडीएम ऑफिस के बाहर धरना

भरतपुर से फिर उठी कुशवाहा-सैनी समाज को 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग

हमारा समाचार @ भरतपुर

भरतपुर से कुशवाहा-सैनी समाज को 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग फिर उठी हैं गुरुवार को आरक्षण की मांग करते हुए लोग रूपवास एसडीएम दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। बता दें कि 4 साल पहले भी माली, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज ने अलग से 12 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग उठाई थी। आरक्षण संघर्ष समिति सदस्य बदन सिंह कुशवाहा ने कहा कि हमारी मुख्य मांग कुशवाहा, सैनी, शाक्य, मौर्य समाज को 12 प्रतिशत आरक्षण और छात्रावास की है। मांगें पूरी नहीं हुईं तो हम रेलवे ट्रैक-हाईवे जाम करेंगे।

15 साल से आरक्षण की मांग

बदन सिंह कुशवाहा ने कहा कि गुरुवार को प्रदेश आरक्षण संघर्ष समिति के सदस्य रूपवास एसडीएम ऑफिस के बाहर धरने पर बैठे। हम 15 साल से आरक्षण मांग कर रहे हैं। अब हमें समाज का अलग से छात्रावास भी चाहिए। आरक्षण की मांग को लेकर समाज के लोग जेल भी गए। कई बार धरना दिया। ज्ञापन सौंपे। इसके बाद भी प्रशासन के कान पर जूं नहीं रेंगी। अब हमारी मांगें पूरी नहीं की गई तो नेशनल हाईवे-123 और रेलवे ट्रैक को जाम किया जाएगा। अब यही रास्ता बाकी रह गया। समाज के लोग 2 से 4 दिन तक यहां धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद कोर कमेटी की मीटिंग में आगे का फैसला लिया जाएगा।

बिना अनुमति बने निर्माणों पर होगी कार्रवाई, दुर्ग के भीतर होटल-रेस्टोरेंट समेत 209 अतिक्रमण चिन्हित

हमारा समाचार @ चित्तौड़गढ़

यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल चित्तौड़गढ़ दुर्ग में सालों से चल रहे अतिक्रमण और अवैध निर्माण एक बार फिर चर्चा में हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने दुर्ग क्षेत्र में 209 से ज्यादा रेजिडेंशियल और कमर्शियल अतिक्रमण चिन्हित किए हैं। इनमें बड़ी संख्या में कच्चे निर्माणों के साथ होटल, रेस्टोरेंट और अन्य पक्के कमर्शियल निर्माण भी शामिल हैं।

अब जिला प्रशासन ने साल 2020 के बाद बने निर्माणों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने स्पष्ट किया है कि दुर्ग क्षेत्र में जारी निर्माण कामों को तुरंत प्रभाव से रोकने, एफआईआर दर्ज कराने और नियमानुसार अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पुरातत्व विभाग को पहले जारी नोटिसों पर सख्ती से फॉलोअप करने को कहा गया है।

जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट है और यहां हो रहे अतिक्रमणों को लेकर प्रशासन गंभीर है। उन्होंने बताया कि आर्कियोलॉजी विभाग की ओर से जिन मामलों में नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी मामले में डेमोलिशन आदेश जारी नहीं हुए हैं तो उनका भी सख्ती से फॉलोअप करने को कहा गया है। कलेक्टर ने बताया कि जो निर्माण अभी प्रक्रियाधीन हैं या वर्तमान में किए जा रहे हैं, उन्हें तुरंत प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज कराने और अतिक्रमणों को नियमानुसार हटाने के लिए भी कहा गया है। उन्होंने बताया कि साल 2020 के बाद बने निर्माणों में करीब सात से आठ ऐसे कमर्शियल अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिनका राजस्व विभाग की टीम ने भी सत्यापन किया है। साल 2024 में ऐसे मामलों में एएसआई ने 67 नोटिस जारी किए गए थे। उन्होंने बताया कि जो बन चुके है उनके डेमोलिशन के लिए दिल्ली एएसआई के आदेश के बाद ही कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों में काफी समय भी लगता है।

एएसआई के संरक्षण सहायक प्रेमचंद शर्मा ने बताया कि दुर्ग की प्राचीर के भीतर का पूरा क्षेत्र प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 के तहत संरक्षित है। यहां केंद्र सरकार की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का निर्माण, पुनर्निर्माण, मरम्मत या अतिक्रमण करना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद विभाग ने 209 से अधिक अतिक्रमण और अवैध निर्माण चिन्हित किए हैं। इनमें 200 से अधिक कच्चे अतिक्रमण और मरम्मत काम शामिल हैं, जबकि होटल, रेस्टोरेंट और हैंडीक्राफ्ट से जुड़े भवन पक्के अवैध निर्माण की श्रेणी में आते हैं।

भीलवाड़ा में ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ियों से काली फिल्म हटाई

काले शीशे और बिना नंबर प्लेट वाहनों के चालान काटे

हमारा समाचार @ भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में ट्रैफिक पुलिस ने थाने के बाहर, अजमेर चौराहा और शहर के अन्य प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग कर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान काली फिल्म लगी कारों, बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों तथा वाहनों पर जाति सूचक शब्द, डायलॉग और स्लोगन लिखवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की जांच की और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान बनाए। काले शीशों वाली कारों से शीशों पर लगी फिल्म मौके पर ही हटवाई गई, जबकि बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

मठ पर कब्जा करने के लिए पूर्व समिति के वकील ने रची थी साजिश, मुख्य साजिशकर्ता सहित दो आरोपी गिरफ्तार

एक लाख रुपए की सुपारी देकर करवाई महंत देवानंद महाराज की हत्या

हमारा समाचार @ कोटा

कोटा के बहुचर्चित चंद्रेसल मठ के महंत देवानंद महाराज की हत्या एक लाख रुपए में कराई थी। ट्रस्ट पर कब्जा करने के लिए पुरानी कार्यकारिणी के वकील ने एक बदमाश को हत्या की सुपारी दी थी। कोटा शहर पुलिस ने छह दिन में इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाते हुए हत्या के मुख्य साजिशकर्ता संतोष राय और गिरोह के बदमाश पुष्पेंद्र सिंह उर्फ प्रिंस को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मठ और ट्रस्ट पर नियंत्रण को लेकर चल रहे विवाद के चलते इस हत्याकांड की साजिश रची गई थी। वहीं हत्या की सुपारी लेने वाले मुख्य आरोपी सहित 3 आरोपियों को डिटेन कर लिया गया है।

बचने के लिए मुख्य आरोपी अस्पताल में हुआ था भर्ती

संतोष राय खुद पर शक से बचने के लिए घटना से पहले जयपुर के एक अस्पताल में भर्ती हो गया था। आरोपी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर 5 जून की रात मठ पहुंचे। उन्होंने पहले नंदनवन महाराज के कमरे की कुंडी बाहर से लगा दी। फिर देवानंद महाराज के कमरे में घुसकर उन पर चाकुओं से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए बाहर भागे महंत को आरोपियों ने पकड़ लिया और ताबड़तोड़ हमला कर मौके से फरार हो गए।

पुलिस एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया- 5 जून की रात चंद्रेसल मठ में महंत देवानंद महाराज की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, तीन डीवाईएसपी, सात पुलिस इंसपेक्टर और करीब 100 पुलिसकर्मियों की विशेष जांच टीम गठित की गई। महंत देवानंद महाराज की हत्या के बाद संतों ने आरोपियों को पकड़ने के लिए धरना भी दिया था।

पुरानी कार्यकारिणी में खुद को कार्यकारी अध्यक्ष कर रखा था घोषित: तेजस्वनी गौतम ने बताया- पुलिस जांच में सामने आया कि करीब 1100 वर्ष पुराने चंद्रेसल मठ की सैकड़ों बीघा जमीन और करोड़ों रुपए की संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुरानी कार्यकारिणी से जुड़े वकील संतोष राय ने खुद को कार्यकारी अध्यक्ष घोषित कर रखा था। संतोष राय मठ पर कंट्रोल करना चाहता था। वहीं महंत देवानंद महाराज नई कार्यकारिणी को कानूनी मान्यता दिलाने के प्रयास में जुटे थे, जिससे दोनों पक्षों में टकराव बढ़ गया।

आरोपियों ने रेकी की, महंत के दिनचर्या की ली जानकारी: पुलिस का दावा है कि विवाद के चलते संतोष राय ने देवानंद महाराज को रास्ते से हटाने की साजिश रची। आरोपी संतोष राय ने आदित्य वर्मा बदमाश को एक लाख रुपए की सुपारी देकर हत्या के लिए तैयार किया। वारदात से पहले 4 आरोपियों को मठ की पूरी रेकी करवाई गई और महंत की दिनचर्या की जानकारी दी गई।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का श्रीलंका दौरे हेतु भारतीय टीम में चयन

हमारा समाचार @ जयपुर

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार बीसीसीआई जूनियर चयन कमेटी ने भारतीय अंडर 19 टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए राजस्थान के युवा प्रतिभावान खिलाड़ी कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का चयन भारतीय अंडर 19 टीम में किया है।

सुशील जैन, सदस्य , एडहॉक कमेटी के अनुसार राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल ने बीसीसीआई क्रिकेट सत्र 2025 -26 में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया। । कुशाग्र ओझा व रजत बघेल को इस वर्ष बीसीसीआई के NCA सेण्टर ऑफ़ एक्सीलेन्स अंडर 19 प्रशिक्षण शिविर के चयनित किया गया था।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा का चयन भारतीय अंडर 19 टीम के आगामी श्रीलंका दौरे की एक दिवसीय व टेस्ट (मल्टी डेज) दोनों टीमों में व रजत बघेल का चयन एक दिवसीय मैचों के लिए किया गया है।

भारतीय अंडर 19 टीम श्रीलंका दौरे पर दिनांक 4 जुलाई , 6 जुलाई व 9 जुलाई को हम्बनटोटो में 3 एक दिवसीय मैच व दिनांक 13 -16 जुलाई को गाले में व दिनांक 20 -23 जुलाई को कोलंबो में 2 4 दिवसीय मैच खेलेगी, डॉ मोहित जसवंत यादव , सदस्य आशीष तिवाड़ी , धनंजय सिंह खींवसर , सुशील जैन , अरिष्ट सिंघवी ने राजस्थान के युवा अंडर 19 खिलाडियों कुशाग्र ओझा व रजत बघेल के श्रीलंका दौरे पर भारतीय अंडर 19 टीम में चयन पर दोनों खिलाडियों को बधाई देते हुए कहा की राज्य के मानव सुथार ने जिस तरह भारतीय टेस्ट टीम में चयन पर अफगानिस्तान के विरुद्ध टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन कर देश , विदेश में अपना व राज्य का नाम रोशन किया है उसी पर राज्य के दोनों अंदर 19 खिलाडी भी भारतीय अंडर 19 टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा को प्रदर्शत करेंगे , दोनों को आरसीए एडहॉक कमेटी , राजस्थान क्रिकेट संघ व समस्त खेल प्रेमियों की तरफ से बहुत बहुत बधाई।

सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्डकप आज से

पहली बार 12 टीमें और 33 मैच; भारत ग्रुप ऑफ डेथ में, 14 जून को पाकिस्तान से मुकाबला

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

10वां विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप आज से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होगा। पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। फाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा। इस बार 12 टीमें 24 दिनों में 33 मुकाबले खेलेंगी।

यह अब तक का सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप होगा। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड है। टीम ने 2024 में पहली बार खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलिया 6 ट्रॉफी के साथ टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है।

भारत कभी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। टीम ने 4 बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में जगह बनाई है। भारत इस बार ग्रुप ऑफ डेथ में है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका जैसी टीमें हैं। भारत का पहला मैच 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान से होगा।

2009 में पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड में हुआ था। टूर्नामेंट में 8 टीमें शामिल थीं। मेजबान इंग्लैंड ही पहली चैंपियन बनी थी। शुरुआती 3 वर्ल्ड कप तक 8 टीमें खेलती थीं। 2014 से टीमों की संख्या बढ़कर 10 हुई। 2026 में पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इंग्लैंड 17 साल बाद वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है।

टूर्नामेंट किस फॉर्मेट में खेला जाएगा ?

12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप A और B में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज में सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

भारत का अभियान कब शुरू होगा?

भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम का सबसे बड़ा मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से होगा। 21 जून को भारत और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। ग्रुप-A को इस बार 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें हैं। भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। स्क्वॉड में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और श्रेयांका पाटिल जैसे खिलाड़ी हैं।

ये हो रहा है पहली बार ?

पहली बार 12 टीमें: यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का पहला एडीशन होगा। जिसमें 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले 10 टीमें खेली थीं।

नीदरलैंड्स का डेब्यू: नीदरलैंड्स पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप खेलेगा। टीम ने ग्लोबल क्वालिफायर में चौथा स्थान हासिल कर टूर्नामेंट में जगह बनाई।

भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है?

भारत ने अब तक सभी 9 वर्ल्डकप खेले हैं। टीम 2020 में पहली और इकलौती बार फाइनल में पहुंची थी। उसे ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत 4 बार सेमीफाइनल तक भी पहुंचा है। भारत ने टूर्नामेंट में 40 मैच खेले हैं। इसमें 22 जीते और 18 हारे हैं। उसका जीत प्रतिशत 55% रहा है।

अफगानिस्तान-ए ने इंडिया-ए को 4 रन से हराया, इमरान-बहीर के नाबाद अर्धशतक

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

अफगानिस्तान-ए ने श्रीलंका में खेली जा रही ट्राई नेशन सीरीज के दूसरे मैच में आज इंडिया-ए को 4 रन से हरा दिया। यह मैच दांबुला के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया।

पहले बैटिंग करते हुए इंडिया-ए ने इस मुकाबले में 49 ओवर में 349 रन बनाए। बारिश की वजह से अफगानिस्तान-ए को 38 ओवर में 294 रन का टारगेट मिला। 25.2 ओवर में टीम का स्कोर 2 विकेट पर 177 रन था। इसके बाद बारिश आ गई और खेल शुरू नहीं हुआ। डकवर्थ लुईस नियम से अफगानिस्तान ने मैच को 4 रन से जीत लिया। अफगानिस्तान-ए की शुरुआत अच्छी रही। हसन इसाखिल ने 29 गेंदों में 34 रन बनाए और पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। हालांकि 7.6 ओवर में अरशद खान ने उन्हें आउट कर इंडिया-ए को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अनुकूल रॉय ने खालिद तनिवाल (2) को LBW कर स्कोर 69/2 कर दिया।

मुश्किल समय में कप्तान इमरान मीर और बहीर शाह ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 108 रन की साझेदारी की। इमरान मीर ने 70 गेंदों पर 75 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं बहीर शाह ने 52 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी ने 22 बॉल पर 44 रन बनाए इससे पहले, भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने 22 बॉल पर 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने बॉलर्स फ्रेंडली कंडीशंस में प्रभसिमरन सिंह के साथ 43 बॉल पर 74 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

3 भारतीय बैटर्स ने फिफ्टी लगाई

भारतीय टीम की ओर से ओपनर प्रभसिमरन सिंह (84 रन), ऋतुराज गायकवाड (66 रन) और तिलक वर्मा (66 रन) ने अर्धशतक लगाए। सूर्यांश शेडगे ने 40 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल्लाह अहमदजई ने 5 विकेट झटके। फरमनुल्लाह सफी को 3 सफलताएं मिलीं।

पहली बार तीन देश होस्ट करेंगे FIFA वर्ल्ड कप, कुल 104 मैच

अमेरिका-कनाडा-मेक्सिको में 48 टीमों, नॉकआउट में 32 टीमें जाएंगी

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

23वां FIFA मेंस वर्ल्ड कप 11 जून से 20 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। 96 साल के इतिहास में पहली बार तीन देश वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। ओपनिंग मैच 11 जून की रात 12.30 बजे को मेक्सिको सिटी में खेला जाएगा। इसमें मेक्सिको और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। 16 शहरों में 48 टीमों के बीच 104 मैच खेले जाएंगे। इन टीमों को 12 ग्रुप्स में बांटा गया है। हर ग्रुप में चार टीमें हैं। 16 की जगह 32 टीमें नॉकआउट स्टेज में पहुंचेंगी। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सहित दुनिया के 1,248 फुटबॉलर्स वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे।

2002 में जापान और कोरिया ने पहली बार मिलकर FIFA वर्ल्ड कप होस्ट किया था। अब 3 देश अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको हैं। मेक्सिको पहला ऐसा देश है, जिसे तीन बार (1970, 1986 और 2026) मेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी का मौका मिला। पहली बार 48 टीमें खेलेंगी। 1998 से अब तक केवल 32 देश इसमें हिस्सा लेते थे। 16 शहरों में 104 मैच होंगे (पहले 64 होते थे)। फाइनल में पहली बार हाफटाइम शो भी रखा जाएगा।

16 की जगह 32 टीमें नॉकआउट खेलेंगी

48 टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप में 4-4 टीमें हैं। ग्रुप स्टेज में हर टीम तीन मैच खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सीधे नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी यानी 24 टीमें। हर ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली 12 टीमों में बेस्ट 8 को भी अगले दौर में जगह मिलेगी। इस तरह 32 टीमें नॉकआउट में एंट्री करेंगी। नॉकआउट में 32 टीमों के मैच के बाद 16 टीमें बचेंगी, इनके मुकाबले के बाद 8 टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

इस नए फॉर्मेट के तहत टूर्नामेंट में कुल 104 मैच खेले जाएंगे, जो इसे FIFA इतिहास का सबसे बड़ा वर्ल्ड कप बनाता है। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। स्पेन ग्रुप एच में है, फ्रांस ग्रुप आई में, जर्मनी ग्रुप ई में, पुर्तगाल ग्रुप के में और इंग्लैंड ग्रुप एल में है। ग्रुप एच, आई, जे, के और एल को ग्रुप ऑफ डेथ माना जा रहा है, क्योंकि इनमें मजबूत टीमें हैं।

देश-विदेश

पीओके में हिंसाः फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

यूएन से जांच की अपील

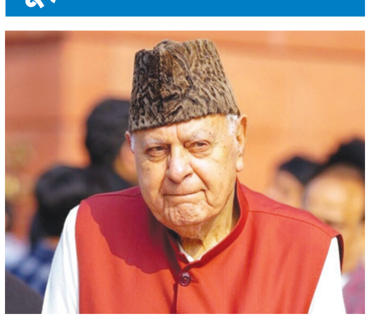

हमारा समाचार @ नई दिल्ली/ श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रही हिंसा और प्रदर्शनों पर तीखा हमला बोला है। फारूक अब्दुल्ला ने विरोध-प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों पर चिंता जताते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद गंभीर है और पूरी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मानवाधिकारों की स्थिति पर ध्यान देने की मांग की। उन्होंने श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, "पीओके कठिन स्थिति से गुजर रहा है और वहां लोगों पर जुल्म हो रहा है। जो हिस्सा पाकिस्तान के पास है, वहां आज जुल्म हो रहा है। वहां कई लोग शहीद हो चुके हैं।"

उन्होंने पूरे मामले की सच्चाई जानने के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से अपील की। उन्होंने कहा कि यूएन की टीम को वहां का दौरा करना चाहिए और खुद जमीनी हालात देखने चाहिए कि वहां के लोगों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

राज्य का दर्जा बहाल किए जाने के सवाल पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिरता तभी आएगी, जब भारत के साथ विलय की शर्तों की समीक्षा की जाएगी और कश्मीरियों का सम्मान बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा, "स्थिति स्थिर नहीं है। स्थिरता तब आएगी, जब उन्हें यह एहसास होगा कि हम भी इंसान हैं।"

फारूक अब्दुल्ला ने वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ज्यादातर शक्तियां महामहिम के पास हैं, जबकि ये शक्तियां दिल्ली से नामित व्यक्ति के पास नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यहां लोगों ने एक सरकार चुनी है, इसलिए उन्हें अपनी शक्तियां मिलनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे लंबे समय तक कार्यकाल पूरा करने पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा, "नहीं, पंडित जवाहरलाल नेहरू 17 साल तक इस पद पर रहे थे, जबकि वे अभी सिर्फ 12 साल से प्रधानमंत्री हैं।"

इंजन कक्ष में आग लगने से मचा हड़कंप, ओमान की नौसेना ने संभाला राहत अभियान

ओमान तट के पास एमटी जलवीर के इंजन रूम में लगी आग, सुरक्षित बचाए गए सभी भारतीय नाविक

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

ओमान के तट के पास MT जलवीर जहाज के इंजन रूम में आग लगने के कारण उसमें से धुआं निकलते देखा गया। जानकारी के मुताबिक, जहाज पर सवार सभी 20 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। जहाज को ट्रैक करने वाली वेबसाइट 'मैरीनट्रैफिक' के अनुसार, जलवीर एक डामर/बिटुमेन टैंकर है और गिनी-बिसाऊ के झंडे के नीचे चल रहा है। ओमान के तट के पास गुरुवार को एमटी जलवीर टैंकर के इंजन रूम में आग लगने की घटना सामने आई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जहाज से धुआं निकलता देखा गया। इस टैंकर पर भारतीय क्रू मौजूद था। जहाज पर सवार सभी 20 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। सूत्रों ने बताया कि एमटी जलवीर के इंजन रूम में आग लगी थी, जिसके कारण जहाज से धुआं निकल रहा था। यह घटना ओमान के तट के निकट हुई। जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस टैंकर को अमेरिकी नौसेना ने निशाना बनाया था।

यूकेएमटीओ ने सबसे पहले दी थी आग की सूचनाः जहाजों की निगरानी करने वाली वेबसाइट मरीन ट्रैफिक के अनुसार, जलवीर एक टैंकर है, जो गिनी-बिसाऊ के ध्वज के तहत संचालित होता है। इसकी कुल लंबाई 119.95 मीटर और चौड़ाई 16.84 मीटर है। इससे पहले ब्रिटेन की समुद्री निगरानी एजेंसी यूकेएमटीओ ने गुरुवार को बताया था कि उसे ओमान के सोहार बंदरगाह शहर के निकट एक टैंकर में आग लगने की सूचना मिली है। हालांकि एजेंसी ने संबंधित जहाज का नाम नहीं बताया था। यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने एक टैंकर के इंजन कक्ष में आग लगने की जानकारी दी है। एजेंसी ने कहा कि मामले की जांच जारी है और जहाजों को सतर्कता के साथ आवागमन करने की सलाह दी गई है। साथ ही बताया गया कि इस घटना का कोई पर्यावरणीय प्रभाव सामने नहीं आया है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना को लेकर एक्स पर लिखा कि एमटी जलवीर से क्रू को शिनास पोर्ट तक निकालने का काम ओमान की रॉयल नेवी की मदद से किया जा रहा है और यह जल्द ही पूरा हो जाएगा।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ी चिंता

इससे पहले ओमान के समुद्री क्षेत्र से आई इन ताजा घटनाओं से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी सेटेबेलो पर हमला हुआ था। उस जहाज पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से तीन की मौत हो गई थी। भारत ने बुधवार को खाड़ी क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हो रहे हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की थी और संवाद तथा कूटनीति पर जोर दिया था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरिश ने व्यापारी जहाजों पर हमलों की कड़ी निंदा की।उन्होंने कहा कि वैश्विक समुद्री कार्यबल में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक कार्यरत हैं और ऐसे हमलों में भारतीय नागरिकों की जान गई है या वे लापता हुए हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष के बढ़ने और अन्य देशों तक फैलने से गंभीर चिंता पैदा हुई है। पी. हरिश ने कहा कि बढ़ती तबाही, मौतों तथा सामान्य जीवन और आर्थिक गतिविधियों के बाधित होने का भारत पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है, क्योंकि भारत इस क्षेत्र का निकटवर्ती पड़ोसी है और क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

ईरान सख्त, होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को दी चेतावनी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अगली सूचना तक पूरी तरह बंद : ईरान

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

ईरान की समुद्री निगरानी संस्था ने घोषणा की है कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को "अगली सूचना तक पूरी तरह बंद" कर दिया गया है। यह कदम रेवोल्यूशनरी गाड्र्स की ओर से बुधवार रात में दिए गए आदेश के बाद उठाया गया है। हाल ही में बनाई गई संस्था 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' के अनुसार, यह निर्णय क्षेत्र में बढ़ते तनाव और अमेरिकी बलों की कार्रवाई के बाद लिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि मौजूदा हालात के चलते जलमार्ग को फिलहाल पूरी तरह बंद किया जा रहा है।

बयान में कहा गया, "अमेरिकी बलों की आक्रामकता से उत्पन्न तनाव और ईरानी सशस्त्र बलों के हालिया बयान के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद किया जाता है।"

साथ ही, जिन जहाजों को पहले से पारगमन अनुमति दी गई थी, उन्हें निर्देशों का इंतजार करने और स्थिति सामान्य होने तक धैर्य रखने को कहा गया है।

ये फैसला ईरान के एक मालवाहक शिप को अमेरिकी प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाने के बाद लिया गया।

ईरान के सिरिक काउंटी के गवर्नर रेजा शाहीदियान के अनुसार, यह 150 टन का स्थानीय रूप से स्वामित्व वाला था, जो ओमान के खासाब बंदरगाह से आवश्यक सामान लेकर जा रहा था। यह घटना लगभग बंदरगाह से 5 समुद्री मील की दूरी पर ओमान की खाड़ी में हुई।

गुजरने वाले जहाजों को ईरान की चेतावनी

यह बंदी लंबी चली, तो इसका प्रभाव तेल कीमतों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर सीधे तौर पर पड़ सकता है। इससे पहले आईआरजीसी ने बुधवार रात को ऐलान किया कि होर्मुज को बंद रखा जा रहा है। जो भी जहाज वहां से गुजरने की हिमाकत करेगा उसे शत्रुओं का मददगार समझा जाएगा और उसे निशाना बनाया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अभी ईरान और अमेरिका के दावे अलग-अलग हैं।

वेनेज़ुएला की तरह तेल-गैस पर कब्जा करेंगे

ट्रम्प की धमकी-आज रात ईरान पर सबसे बड़ा हमला करेंगे

हमारा समाचार @ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान पर हमले नई धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका गुरुवार रात ईरान पर बड़ा हमला करेगा। उनका दावा है कि ईरान की ज्यादातर सैन्य ताकत पहले ही कमजोर हो चुकी है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिका ईरान के सबसे बड़े ऑयल एक्सपोर्ट सेंटर खार्ग आइलैंड और दूसरे अहम तेल-गैस ठिकानों पर वेनेज़ुएला के जैसे कब्जा करेगा। खार्ग आइलैंड को ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा सेंटर माना जाता है।

वहीं, ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर अमेरिकी हमलों को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ने भारतीय क्रू वाले तीसरे जहाज MT जलवीर पर भी हमला किया है। इस पर सवार सभी 20 भारतीय सुरक्षित हैं और उन्हें निकालने का काम जारी है।

भारत ने इस मामले पर अमेरिकी राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए। अमेरिकी पत्रकार किम्बरली हैल्केट का कहना है कि ट्रम्प ईरान पर दबाव बनाने के लिए धमकी और बातचीत, दोनों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उनके मुताबिक, ट्रम्प पहले भी कई बार ईरान पर बड़े हमले की चेतावनी दे चुके हैं। पिछले कुछ दिनों में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहा कि अमेरिका ईरान पर फिर जोरदार हमला करेगा और समय तेजी से निकल रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प सख्त बयान देने के बाद सैन्य कार्रवाई का सहारा लेकर ईरान को अपनी शर्तों पर समझौते के लिए मजबूर करना चाहते हैं।

24 घंटे का घटनाक्रम

1. जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईंः जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।
2. ईरान का दावा- अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन मार गिरायाः तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी MQ-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।
3. होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमलाः ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।
4. रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील कीः मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।
5. कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचाः कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है।

हमारा रोजनामचा

टाइगर के फ्लेट के किराये की जिम्मेदारी किसको?

राजधानी के एक सर्किल ऑफिस से हटे साहब इनदिनों एक टाइगर को लेकर काफी चिंतित है। दरअसल साहब अपने सीनियर अधिकारियों की बटरिंग करने में माहिर है। कई दफा तो साहब विक्टर के नाम से अपने साथियों के सामने और अधिनस्थों के पास धौंस जमाते रहते है। चर्चा है कि साइब अपने टाइगर को खुश रखने के लिए पहने तो खुद के घर के नजदीक उनकी रहने की व्यवस्था एक अपार्टमेंट में कर दी। जब अपार्टमेंट में फ्लेट की किराये की बात आई तो एक गामा साहब ने साफ इंकार कर दिया। इसके बाद में सर्किल से हटे साहब ने सर्किल के दूसरे गामा रैंक वालों से उगाही करके किराया वहन कर रहे थे। यह मामला खाकी में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बड़े मिया बड़े मिया, छोटे मिया सुबाहन अल्ला निकले

खाकी में इनदिनों एक बड़े साहब और एक छोटे साहब को लेकर दिलचस्प चर्चा है। दरअसल आईपीएल आने के दौरान कुछ की मौज हो जाती है तो कुछ बड़ा झटका लग जाता है। चर्चा है कि एक बड़े साहब ने तो अजमेर के बंटी समेत कई जनों को अपने टारगेट पर लेकर बड़े-बड़े कारनामें कर दिए थे। जो विश्व रिकॉर्ड से कम हीं है। लेकिन दूसरे वाले छोटे साहब तो खुद ही सटोरियों के चुंगल में फंस गए और बुकियों के साथ बेटिंग कर ली। इसका नतीजा यह निकला की साहब को बड़ा घाटा लग गया और प्रतिष्ठित लोगों से पैसे लेकर कुछ प्रोपर्टी गिरवी तक रखनी पड़ गई। ऐसे में दोनों साहब को लेकर अधिनस्थ चर्चा करते है कि बड़े मिया तो बड़े मिया ही थे, छोटे तो सुबाहन अल्ला निकले।

फटकार पड़ी तो टाइगर को छोड़ना पड़ा...

कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए एक बड़े नेता की टाइगर को पड़ी फटकार खाकी में चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल एक बिजनेसमैन का बेटा भाजपा प्रदेश मुखिया के खाफिले में घुस गया। हुआ यू टाइगर साहब व गामा साहब ने वाहवाही लूटने के लिए काफिले में घुसे युवक को पकड़कर शांतिभंग करने के आरोप में बंद कर दिया। बेटे के थाने पर पकड़े जाने की भनक बिजनेसमैन को लगी तो उन्होंने बेगुनाह बेटे को छुड़वाने की फरियाद लेकर एक नामचीन बड़े नेता के पास पहुंचा। तब नेताजी ने टाइगर को ऐसी फटकार लगाई की रात को दस बजे युवक को छोड़ना पड़ा। टाइगर की यह कार्यशैली खाकी में चर्चा का विषय बनी हुई है।

विशेष महारथियों की वसूली!

राजधानी में पिछले दिनों बीकानेर का पकड़ा गया एक सटोरिया विशेष महारथियों की चांदी कर गया। चर्चा है कि पकड़े गए सटोरिये ने ईस्ट जिले में कुछ दूसरे बड़े सटोरियों के रहने और आईपीएल में बड़ा दाव लगाने की जानकारी दी थी। तब विशेष महारथियों ने अपने साथियों को जानकारी शेयर की। इसके बाद विशेष महारथी पकड़े गए सटोरिये की सूचना पर मौके पर पहुंचे। विशेष महारथियों ने चार सटोरियों को तो पकड़ लिया। लेकिन दो घंटे तक मोल भाव करने के बाद मोटा सेवा शुल्क लेकर उनको छोड़कर आ गए। जब सेवा शुल्क का कुछ हिस्सा बड़े विशेष महारथियों तक नहीं पहुंचा तो उन्होंने मामले की पोल खोल दी।

–ओमप्रकाश शर्मा, विशेष संवाददाता

सीएम की अमित शाह से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली| दिल्ली दौर के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न मुद्दों को लेकर शाह से मंत्रणा की।

स्टे के बावजूद विवादित भूमि पर जबरन काश्त और कब्जे के प्रयास का आरोप

मुख्यमंत्री तक गुहार, फिर भी रिपोर्ट दर्ज करने को तैयार नहीं रेनवाल थाना

हमारा समाचार @ जयपुर

खेजड़ी का पेड़ काटने का मामला भी उठा, ट्रैक्टर चढ़ाकर जान से मारने की धमकी

किशनगढ़ रेनवाल के ग्राम खेडीमिलक में खातेदारी भूमि और सार्वजनिक रास्ते को लेकर चल रहा विवाद अब मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुका है, लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय मामले को नजरअंदाज कर रहे हैं।

भूमि स्वामी सोहनलाल यादव ने आरोप लगाया है कि न्यायालय के स्थगन आदेश (स्टे) के बावजूद उनकी भूमि पर लगातार कब्जे के प्रयास किए जा रहे हैं, सार्वजनिक रास्ते को बाधित किया जा रहा है तथा शिकायतों के बाद भी रेनवाल थाना प्राथमिकी दर्ज करने को तैयार नहीं है। सोहनलाल यादव ने पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण, जिला कलक्टर जयपुर तथा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी शिकायतों में बताया कि ग्राम खेडीमिलक स्थित खसरा नम्बर 158 एवं 591/162 उनकी खातेदारी भूमि है। उनके अनुसार भूमि का तकसीमा पूर्व में विधिवत हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग उनकी भूमि में अतिक्रमण और कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनकी भूमि और दूसरे पक्ष की भूमि के बीच खसरा नम्बर 157 में दर्ज 20 फीट चौड़ा सार्वजनिक रास्ता मौजूद है। इसके बावजूद रास्ते की सीमा का उल्लंघन करते हुए उनकी भूमि में काश्त और कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। जबकि विवादित भूमि को लेकर न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी बताया जा रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि 30 मई को उनकी भूमि में स्थित खेजड़ी का पेड़ काटकर ले जाया गया। जब वे इसकी शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें घंटों थाने में बैठाए रखा गया।

शिकायत के अनुसार 3 जून की शाम को गणपतलाल सहित अन्य लोग ट्रैक्टर लेकर खेत पर पहुंचे और विवादित भूमि पर बुआई करने का प्रयास किया। सोहनलाल यादव का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ गाली-गलौच और मारपीट की गई तथा ट्रैक्टर चढ़ाकर जान से मारने की धमकी दी गई। हालांकि शिकायत में कहीं यह उल्लेख नहीं है कि वास्तव में ट्रैक्टर उनके ऊपर चलाया गया, बल्कि आरोप यह है कि ट्रैक्टर चढ़ाने की धमकी देकर भय पैदा किया गया। पीड़ित का कहना है कि बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को विवादित भूमि पर कोई भी काश्त या कब्जा नहीं करने की चेतावनी दी। इसके बावजूद अगले ही दिन फिर ट्रैक्टर चलाकर खेत में मेड़बंदी और अन्य कार्य किए गए, जो न्यायालय के स्थगन आदेश की अवहेलना है। मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सार्वजनिक रास्ते से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राजस्व रिकॉर्ड और नक्शे में रास्ते की चौड़ाई 20 फीट दर्ज है, लेकिन सीमांकन के दौरान मौके पर कम चौड़ाई दर्शाकर रिपोर्ट तैयार कर दी गई।

पटवारी और तहसील प्रशासन की भूमिका पर सवाल

सोहनलाल यादव ने आरोप लगाया कि तहसीलदार के आदेश के बावजूद रास्ते को नक्शे के अनुरूप नहीं खुलवाया गया। उन्होंने पटवारी और तहसील प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पूरे मामले में लापरवाही अथवा मिलीभगत की आशंका दिखाई देती है। उनका कहना है कि यदि रिकॉर्ड में रास्ता 20 फीट चौड़ा दर्ज है तो मौके पर भी उसी चौड़ाई में रास्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए था। पीड़ित ने स्थानीय थाना प्रभारी की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि पुलिस अधीक्षक, जिला कलक्टर और मुख्यमंत्री कार्यालय तक शिकायत पहुंचने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है। इससे उन्हें और उनके परिवार को लगातार असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

नाबालिग से रेप, अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

हमारा समाचार @ जयपुर

जयपुर में दोस्ती कर एक नाबालिग लड़की से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने बिना आईडी के होटल में रूम लेकर नाबालिग पीड़िता को धोखे से ले गया था। विरोध करने पर अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में आरोपी को बुधवार शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी युवक से पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस ने मामले में बिना आईडी रूम उपलब्ध करवाने वाले कंपनी वर्कर को भी अरेस्ट कर जेसी भेजा है।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि एक फ्रेंड के जरिए उसकी दोस्ती आरोपी युवक से हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच मिलना-जुलना शुरू हो गया। आरोप है कि मिलने के बहाने आरोपी ने नाबालिग को बुलाया। होटल-गेस्ट हाउस बुकिंग करने वाली कंपनी के जरिए रूम लिया। कंपनी के वर्कर की मदद से बिना आईडी से लिए रूम में नाबालिग के साथ जबरन रेप किया।

ताला तोड़ घर में घुसे, सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए

हमारा समाचार @ जयपुर

प्रतापनगर थाना क्षेत्र के एक सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। परिवार अजमेर गया हुआ था। पीछे से चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे। इसके बाद अलमारियों में रखे सोने-चांदी के जेवरात, 50 हजार रुपए नकद और 4000 अमेरिकी डॉलर चोरी कर ले गए। घर के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में चोर नजर आए है। चोर टैक्सी से आए था। पीड़ित ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस के अनुसार सेक्टर-19 प्रतापनगर निवासी 66 साल के नरेश कुमार पुत्र साधुराम ने रिपोर्ट दी कि वह 7 जून को दोपहर करीब 2 बजे अपने परिवार के साथ किसी जरूरी काम से अजमेर गए थे। अगले दिन 8 जून को सुबह करीब 4:30 बजे वापस लौटने पर घर का मेन ताला टूटा हुआ मिला और दरवाजे खुले हुए थे। घर के अंदर जाने पर दो अलमारियां खुली मिली और उसके अंदर रखे कीमती जेवरात और नगदी नहीं मिली। चोर 3 सोने की चेन, 4 सोने के लॉकेट, 10 सोने की अंगूठियां, 5 जोड़ी सोने के कानों के आभूषण, 1 सोने की नथ, 1 सोने का लॉग, 1 सोने का मंगलसूत्र, 2 सोने के कंगन, 1 सोने की गिन्नी, 3 चांदी की पायल, 1 चांदी का ब्रेसलेट, 80 चांदी के सिक्के, 2 चांदी के कंगन और 2 चांदी की गाय-तुलसी चोरी कर ले गए।

विदेशी मुद्रा भी चोरी

आरोपी घर में रखे 50 हजार रुपए नकद और 4000 अमेरिकी डॉलर भी चुरा ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। प्रतापनगर थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 305(ए) एवं 331(4) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एसआई झण्डूराम को सौंपी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि मनाई

दौसा में जुटे कांग्रेसी, गहलोत गुट के नेताओं की मौजूदगी ने चौंकाया

हमारा समाचार @ जयपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को दौसा के जीरोता-भंडाना में प्रेरणा दिवस के तहत श्रद्धांजलि सभा और सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। राजनीतिक दृष्टि से कार्यक्रम की सबसे बड़ी चर्चा यह रही कि सचिन पायलट के इस पारिवारिक और श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस के विभिन्न गुटों के नेता एक मंच पर दिखाई दिए। गहलोत खेमे से जुड़े कई विधायक, पूर्व विधायक और नेता भी कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसे प्रदेश कांग्रेस की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम में हेमाराम चौधरी, रघु शर्मा, धीरज गुर्जर, मुरारी मीणा, शकुंतला रावत, डीसी बैरवा, निर्मल चौधरी, अमीन कागजी, प्रताप सिंह खाचरियावास, बीडी कल्ला, वेदप्रकाश सोलंकी, राजेश चौधरी, कांति मीणा, अर्चना शर्मा, अभिमन्यु पूनिया, कुलदीप इंदौरा, सोहन ढील, सुचित्रा आर्या, राकेश पारीक, मुकेश भाकर, अनिल चोपड़ा, सतवीर चौधरी, मनोज मेघवाल, प्रशांत बैरवा, जितेंद्र सिंह, रामस्वरूप कसाना, इंद्राज गुर्जर, सुरेश मोदी, जितेंद्र सिंह शेखावत, नाथूराम सिलोड़िया, लक्ष्मण मीणा, रमेश मीणा, नरेंद्र बुढ़ानिया, संयम लोढ़ा, लाखन मीणा, मनीष यादव और रतन देवासी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजेश पायलट ने अपने राजनीतिक जीवन में किसानों, युवाओं और आम लोगों की आवाज को मजबूती से उठाया। उनके विचार और कार्यशैली आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर भंडाना में हर वर्ष प्रेरणा दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें राजस्थान सहित देश के विभिन्न हिस्सों से कांग्रेस नेता और समर्थक श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

बेटे की तरह स्नेह रखते है गहलोत- सचिन पायलट

सचिन पायलट ने राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बयान का अपने ही अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर मोहब्बत की दुकान खोलनी है। पायलट ने कहा कि उनका (अशोक गहलोत) मेरे प्रति इतना स्नेह है तो व्यक्तिगत बातों से ऊपर उठकर संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की है। पायलट ने कहा कि राहुल गांधी के 'मोहब्बत की दुकान के संदेश को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है, और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मिलकर पार्टी को मजबूत बनाने का काम करना चाहिए।

जैसलमेर में शुरू हुआ नया एफएम ट्रांसमीटर

अब सरहद तक सुनाई देगी सुरीली आवाज...

हमारा समाचार @ जैसलमेर/जयपुर

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जैसलमेर में 20 किलोवाट क्षमता वाले नए आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर का भव्य उद्घाटन किया। सरकार का यह कदम भारत के सीमावर्ती इलाकों में संचार व्यवस्था को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस नए ट्रांसमीटर के चालू होने से अब सीमा पर रहने वाले देश के नागरिकों तक साफ और स्पष्ट आवाज में रेडियो प्रसारण पहुंच सकेगा।

जैसलमेर में शुरू किया गया 20 किलोवाट क्षमता वाला नया आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए संचार के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि साबित होगा। यह अत्याधुनिक ट्रांसमीटर लगभग 80 किलोमीटर के दायरे और करीब 20 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगा, जिससे जैसलमेर जिले के साथ-साथ भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे दूरदराज के इलाकों में रेडियो और दूरदर्शन की पहुंच पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी।

इसके माध्यम से स्थानीय नागरिकों और सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों को समाचार, मौसम, कृषि संबंधी जानकारी और सरकारी योजनाओं से जुड़ी विश्वसनीय सूचनाएं आसानी से मिल सकेंगी। बेहतर प्रसारण क्षमता के कारण मनोरंजन और जनजागरूकता कार्यक्रमों का लाभ भी अधिक लोगों तक पहुंचेगा। सरकार के अनुसार यह नया एफएम ट्रांसमीटर सीमावर्ती क्षेत्रों में सूचना पहुंचाने, संचार नेटवर्क को सशक्त बनाने और लोगों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विकास के लिहाज से बड़ा रणनीतिक कदम

सरकार का मानना है कि यह नया एफएम सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा और वहां के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगा। अक्सर सीमाई इलाकों में विदेशी रेडियो सिग्नलों की घुसपैठ बनी रहती है, ऐसे में भारत का अपना मजबूत स्नरू ट्रांसमीटर स्थानीय लोगों तक भरोसेमंद, सटीक और प्रामाणिक जानकारी पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम बनेगा। इससे जहां एक तरफ अफवाहों पर लगाम लगेगी, वहीं दूसरी तरफ आपदा प्रबंधन, मौसम की जानकारी और कृषि संबंधी संदेशों को प्रसारित करने में भी मदद मिलेगी, जिससे सीमाई क्षेत्रों का संचार नेटवर्क पूरी तरह चाक-चौबंद हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रामनिवास मंडोलिया के लिए डी.बी. कॉर्प लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शिवदासपुरा टोंक रोड जयपुर राज. से मुद्रित एवं 84 मंडोलियों की ढाणी जोबनेर रोड कालवाड़ जयपुर, (राज.) से प्रकाशित, संपादक रामनिवास मंडोलिया मो.- 9461162346, सिटी कार्यालयः आर 20 बी-6 श्रीधाम युधिष्ठर मार्ग, सी स्कीम जयपुर 302005।